वर्ष : 33 » अंक : 282 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, शनिवार, 28 दिसंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

P7

अल्लू अर्जुन की अंतरिम जमानत बरकरार रहेगी

P8

29 दिसंबर को दिल्ली चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे मोदी

शोक में डूबा हिंदुस्तान

युगपुरुष को अंतिम विदाई

- निगमबोध घाट पर होगा डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार
- राजकीय सम्मान के साथ दी जाएगी विदाई
- कांग्रेस मुख्यालय से निकलेगी डॉ. मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को सुबह करीब दस बजे निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ होगा। इससे पहले शनिवार सुबह करीब आठ बजे उनके पार्थिव शरीर को उनके मोतीलाल नेहरु रोड स्थित सरकारी आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा। जहां उनके पार्थिव शरीर को पार्टी नेताओं व प्रशंसकों के अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। खास बात है कि शांति वन में ही देश के दूसरे पूर्व प्रधानमंत्रियों का भी अंतिम संस्कार किया गया है।

कांग्रेस मुख्यालय से निकाली जाएगी अंतिम यात्रा

कांग्रेस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक पार्टी मुख्यालय पर उनके पार्थिव शरीर को करीब डेढ़ घंटे तक पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं व प्रशंसकों के अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। जहां से सुबह करीब 9.30 बजे पूरे सम्मान के साथ पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा निकाली जाएगी, जो वहां से सीधे निगमबोध घाट पहुंचेगी। यहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शुक्रवार को इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि उनकी बेटियां अमेरिका से शुक्रवार देर रात दिल्ली पहुंची।

स्मारक के लिए कांग्रेस ने पीएम मोदी से यमुना तट पर मांगी जगह

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने फोन पर बात करने के बाद पीएम मोदी को लिखा पत्र कहा स्मारक का निर्माण देश के इस महान सपूत को होगी श्रद्धांजलि-प्रियंका गांधी वाड्रा और वेणुगोपाल ने राजनाथ सिंह से की बात जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री डा मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार स्थल के लिए राजधानी दिल्ली में एक जगह देने का केंद्र सरकार से आग्रह करते हुए कहा है कि उनके इस अंतिम स्थल पर एक स्मारक का निर्माण कर देश के इस महान सपूत को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस सिलसिले में फोन पर बात करने के बाद शुक्रवार को एक पत्र भी लिखा जिसमें मनमोहन सिंह के स्मारक स्थल के लिए यमुना किनारे वहां जगह देने की मांग की गई है जहां देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों का स्मृति स्थल है।

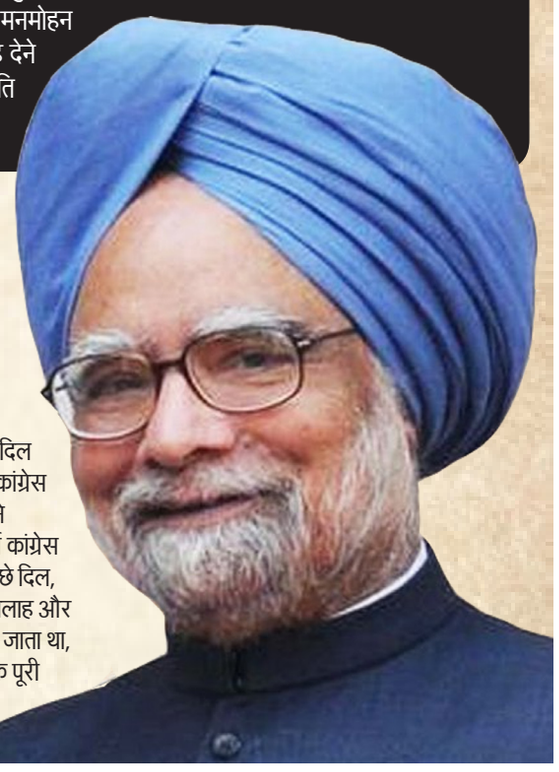

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री को दी गई श्रद्धांजलि

कांग्रेस की सर्वोच्च इकाई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए बैठक की। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने चर्चा की कि दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के लिए उनके कद के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाना चाहिए। साथ ही स्मारक के लिए उचित स्थान दिया जाना चाहिए। इसे लेकर सरकार से बातचीत की जा रही है। कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडे ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और मनमोहन सिंह का परिवार अंतिम संस्कार और स्मारक की जगह के लिए सरकार से बातचीत कर रहे हैं।

मनमोहन सिंह का निधन मेरा व्यक्तिगत नुकसान : सोनिया गांधी

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुद्धिमता, कुलीनता और विनम्रता के प्रतीक बताया, जिन्होंने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए एक प्रिय मार्गदर्शक, उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीयों के जीवन को बदला और उन्हें सशक्त बनाया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने एक बयान में कहा, 'भारत के लोग उन्हें उनके अच्छे दिल, और उत्तम बुद्धि के लिए प्यार करते थे। उनकी सलाह, बुद्धिमानी सलाह और विचारों को हमारे देश के राजनीतिक स्पेक्ट्रम में उत्सुकता से सुना जाता था, और उनका बहुत सम्मान किया जाता था। सोनिया गांधी ने कहा कि पूरी दुनिया के नेताओं और विद्वानों ने उनकी अपार बुद्धि के लिए उन्हें सम्मानित किया।

एक्शन में बीएमसी

- 28 निर्माण परियोजनाओं में प्रदूषण नियंत्रण का उल्लंघन
- 24 डिवीजनों की टीमों ने 868 निर्माण परियोजना स्थलों का दौरा किया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बीएमसी के सभी 24 प्रशासनिक प्रभागों में 868 निर्माण स्थलों का दौरा किया ताकि यह निरीक्षण किया जा सके कि मुंबई में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मुंबई महानगरपालिका द्वारा जारी दिशानिर्देश लागू किए जा रहे हैं या नहीं। 28 निर्माण परियोजनाओं को तय समय सीमा के भीतर दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए लिखित निर्देश जारी किए गए हैं। शेष निर्माण परियोजना स्थलों का दौरा करने का कार्यक्रम भी तय किया गया है। साथ ही, मनपा के अन्य संबंधित विभाग भी 'ऑटो डीसीआर' जैसी ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से निर्माण परियोजनाओं को लिखित निर्देश दे रहे हैं। जलवायु परिवर्तन मुंबई क्षेत्र सहित मुंबई महानगरीय क्षेत्र में वायु गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए मुंबई महानगरपालिका प्रशासन ने शहर में वायु प्रदूषण और विशेषकर धूल को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं।

निगरानी के लिए टीमें नियुक्त

साथ ही, चूंकि मुंबई में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के प्रयासों की आवश्यकता है, इसलिए मुंबई मनपा ने इसके लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन नियमों के अनुपालन की निगरानी के लिए सभी 24 प्रशासनिक प्रभागों में टीमें नियुक्त की गई हैं। ये टीमें संबंधित क्षेत्र में जाकर कार्यस्थल का निरीक्षण कर रही हैं। साथ ही कार्यस्थल पर तय समय सीमा के अंदर गाइडलाइन का पालन करने की लिखित सूचना भी दी जा रही है।

पेड़ के नीचे दिन गुजार रहे हैं पुलिस अधिकारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विधानसभा चुनाव के दौरान मुंबई से बाहर स्थानांतरित किए गए पुलिस अधिकारी घर लौट आए, लेकिन पोस्टिंग के अभाव में अब भी इन अधिकारियों को पेड़ के नीचे दिन गुजारने पड़ रहे हैं। भले ही मुंबई में कई पुलिस स्टेशन खाली हैं, लेकिन इन अधिकारियों को हर दिन मुंबई पुलिस आयुक्तालय में उपस्थित होना पड़ता है और पोस्टिंग के लिए पुलिस आयुक्त भवन के बाहर पेड़ के नीचे इंतजार करना पड़ता है, क्योंकि इन अधिकारियों को अभी तक पोस्टिंग नहीं मिली है।

चुनाव के दौरान किया गया था स्थानांतरित

महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान, पुलिस अधिकारियों को मुंबई सहित जिले के बाहर स्थानांतरित कर दिया गया था, अकेले मुंबई से, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक और पुलिस निरीक्षक के पदों पर लगभग 170 लोगों को मुंबई जिले के बाहर स्थानांतरित किया गया था। इसमें लगभग 70 वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शामिल हैं, जिनमें वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भी शामिल हैं। इनका मुंबई के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कार्यकाल शेष है। इस वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के तबादले के बाद मुंबई के कई पुलिस स्टेशन बिना वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के खाली रह गए, इस थाने का प्रभार संबंधित पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक को सौंप दिया गया।

गोलीबारी मामला

याचिका को रद्द करने का किया अनुरोध

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नवी मुंबई स्थित तलोजा जेल के अधिकारियों ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के पूर्व कांस्टेबल चेतनसिंह चौधरी की अकोला जेल से उसे स्थानांतरित करने संबंधी याचिका को खारिज करने का अनुरोध करते हुए शुक्रवार को यहां की एक अदालत से कहा कि जेल में कैदियों की संख्या ''अत्यधिक'' है।

चौधरी पर पिछले वर्ष 31 जुलाई को पालघर रेलवे स्टेशन के निकट जयपुर-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस में अपने वरिष्ठ सहयोगी सहायक उपनिरीक्षक टीका राम मीणा और तीन यात्रियों की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। कुछ समय बाद उसे रेल पटरियों के पास से गिरफ्तार कर लिया गया था और तब से वह जेल में है। चौधरी ने अधिवक्ता जयवंत पाटिल के जरिये एक आवेदन दायर कर यहां से लगभग 550 किलोमीटर दूर अकोला की जेल से नवी मुंबई की जेल में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था।

1900 विचाराधीन कैदियों की है जेल की क्षमता

जेल की क्षमता लगभग 1900 विचाराधीन कैदियों की है जबकि वहां बंद कैदियों की वर्तमान संख्या 2800 है। इसमें यह भी कहा गया है कि महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण (एमसीओसी) अधिनियम के तहत आरोपी यहां बंद हैं और वे अक्सर जेल कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं और एक-दूसरे के साथ झगड़े करते हैं। जवाब में कहा गया है कि संरचनात्मक ऑडिट के कारण कुछ बैरक को खाली रखा गया है, इसलिए नये कैदियों के लिए कोई जगह नहीं है। मामले की अगली सुनवाई नौ जनवरी को होगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने संदिग्ध आतंकी फैजल मिर्जा को मिली जमानत

- प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान जाने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट से आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संदिग्ध आतंकी फैजल मिर्जा को जमानत मिली। उस पर आतंकवादी प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान जाने का आरोप है। आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने उसे 2018 में गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की पीठ के समक्ष फैजल मिर्जा की ओर से वकील मतीन शेख और वकील मुस्कान शेख की दायर जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। पीठ ने याचिकाकर्ता को जमानत देते हुए अपने फैसले में कहा कि लंबे समय तक हिरासत में रखने की तुलना में जमानत के जरिए न्याय बेहतर होगा। कानून में यह एक सर्वविदित सिद्धांत है कि जल्दबाजी में किया गया न्याय दफनाए जाने के समान है। पीठ ने यह भी कहा कि लंबित गवाहों और कार्यभार के कारण निकट भविष्य में मुकदमे का समापन संभव नहीं है। मिर्जा को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके और उसी राशि के एक या दो जमानतदारों पर रिहा करने का निर्देश दिया जाता है।

2018 में गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में था मिर्जा

मिर्जा मई 2018 में गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में था। कोलकाता स्पेशल टास्क फोर्स से मिली सूचना के बाद एटीएस ने उसे गिरफ्तार किया था। एनआईए अधिकारियों ने आरोप लगाया कि मिर्जा के रिश्तेदार और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के सहयोगी फारूक देवड़ीवाला ने मिर्जा की दुबई और कराची की यात्रा में मदद की थी, जिसमें फंड और एयरलाइन टिकट सहित लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की गई थी। यह मामला बाद में 2018 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया। एनआईए के वकील संदेश पाटिल और चिंतन शाह ने दलील दी कि इस मामले में 25 गवाहों ने गवाही दी है। जबकि 48 गवाहों की गवाही अभी बयान है।

राम-काल पथ के विकास के लिए 65 करोड़ रुपए निधि को मिली मंजूरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

प्रदेश सरकार ने नाशिक में राम-काल पथ के विकास के लिए 65 करोड़ 43 लाख 25 हजार रुपए वितरित करने को मंजूरी दी है। जबकि सिंधुदुर्ग में पूर्व-आईएनएस गुलदार अंडरवाटर म्यूजियम के लिए कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन विकसित करने को लेकर 30 करोड़ 96 लाख 5 हजार रुपए खर्च किया जा सकेगा। शुक्रवार को राज्य के पर्यटन विभाग ने इस संबंध में शासनादेश जारी किया है।

नाशिक में कालाराम मंदिर है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पूजा-अर्चना कर चुके हैं। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने विशेष सहायता के जरिये प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का वैश्विक स्तर पर विकास करने के लिए महाराष्ट्र की दो परियोजनाओं को शामिल किया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने नाशिक में राम-काल पथ के विकास के लिए 99 करोड़ 14 लाख रुपए मंजूर किया है। इसमें से राज्य सरकार ने साल 2024-25 के अंतर्गत पहली किस्त के रूप में राम-काल पथ के लिए लिए 65 करोड़ 43 लाख 25 हजार रुपए वितरित किया है। जबकि सिंधुदुर्ग में पनडुब्बी पर्यटन विकास के लिए मंजूर 46 करोड़ 91 लाख रुपए में से 30 करोड़ 96 लाख 5 हजार रुपए स्वीकृत किया है।

भारत से था खास लगाव | गांव-गांव जाकर मिडल क्लास की जरूरत समझकर मारुति 800 लॉन्च किया

सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख ओसामु सुजुकी का निधन

- 94 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी । नई दिल्ली

ओसामु सुजुकी, एक ऐसा नाम जिसने भारत के मिडिल क्लास घरों तक कार पहुंचाई। करोड़ों लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। अब वे नहीं रहे। सुजूकी मोटर कॉर्प के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी के निधन की जानकारी कंपनी के द्वारा आज यानी 27 दिसंबर को दी गई। जबकि उनका निधन 25 दिसंबर को ही हो गया था। जब अन्य ऑटोमोबाइल ब्रांड लग्जरी कार बनाने पर फोकस कर रहे थे, उस समय ओसामु सुजुकी भारत के मध्यवर्गीय पर फोकस कर मारुति 800 लॉन्च की थी। उन्होंने 21 साल तक सुजुकी मोटर कॉर्प के चेयरमैन का पद संभाला। साल 2021 में वे रिटायर हो गए थे। अब कंपनी की बागडोर उनके बेटे तोशिरो सुजुकी के हाथों में है।

सभी कर्मचारियों के साथ अच्छा व्यवहार

ओसामु सुजुकी अपने शांत व्यवहार और सभी कर्मचारियों के प्रति समान व्यवहार के लिए जाने जाते थे। इतना ही नहीं वे समय के भी काफी पाबंद थे। वे अपनी कंपनी के सभी वर्ग के कर्मचारियों के बारे में जानकारी लेते थे। एक बार जब उन्हें कर्मचारियों ने खाने की शिकायत की थी तो उन्होंने कैंटीन में जाकर पहले खुद खाना खाया फिर उसमें सुधार करने की हिदायत दी। ऐसे ही भारत में अपनी कंपनी के अधिकारियों के साथ मीटिंग में वे 8:55 बजे पहुंच गए, लेकिन कई बड़े अधिकारी 9 बजे भी नहीं पहुँच पाए। जिसके बाद उन्होंने कर्मचारियों की काफी आलोचना की। उन्होंने समय प्रबंधन के साथ क्वालिटी कंट्रोल जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को लागू किया।

भारत के गांव-गांव जाकर समझी जरूरत

1980 के दशक में ओसामु सुजुकी ने भारतीय लोगों की जरूरतों को समझने के लिए छोटे शहरों और गांवों का सफर किया। जिसके बाद उन्हें यह पता चला कि भारत में सस्ती और टिकाऊ कारों की आवश्यकता है। महंगी कार बनाने वाली तो कई कंपनियां हैं, लेकिन मिडिल क्लास की जरूरतों को समझते हुए उन्होंने मारुति 800 की कहानी लिखी। भारत सरकार के साथ साझेदारी कर साल 1983 में मारुति 800 लॉन्च की गई। मध्यमवर्गीय कार आसानी से खरीद सके इसलिए कार की कीमत 47,500 रुपये रखी गई थी। इस कार को भारत की सड़कों और लोगों की जरूरत के अनुसार डिजाइन किया गया था। मारुति 800 भारत में इतनी ज्यादा फेमस हो गई कि ये कार 'लोगों की कार' के रूप में पहचानी जाने लगी। इसे भारत के ऑटोमोबाइल बाजार की सस्ती कारों में सबसे सफल कार कहा जाता है।

विधायक राजन नाईक ने रेल फ्लाई ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता | विरार

वसई तालुका के लोग लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। नागरिकों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए, नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने हाल ही में नागपुर में आयोजित शीतकालीन सत्र के दौरान विधान भवन में आवाज उठाई और राज्य सरकार से वसई विरार महानगरपालिका क्षेत्र के लिए प्रस्तावित चार नए पुलों के निर्माण की मांग की।

नारंगी फाटा पुल निर्माण में देरी

विरार में नारंगी फाटा पर पुल का निर्माण पिछले 6 साल से चल रहा है, लेकिन अब तक इसका काम पूरा नहीं हो सका। इस पर विधायक राजन नाईक ने रेलवे और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से चर्चा की और वसई विरार मनपा के अधिकारियों से मिलकर निर्माण में हो रही देरी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द पुल निर्माण का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

भूमिपुत्रों के आरोप

इस दौरान स्थानीय भूमिपुत्रों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए मनपा और सतर्धर्य ने भूमिपुत्रों की जमीन हड़प कर पुल का नक्शा बदलने की साजिश रची है। इस गंभीर आरोप पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए विधायक ने तुरंत रेलवे, लोक निर्माण विभाग, वसई विरार मनपा और भूमि अधिग्रहण विभाग के अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक की। उन्होंने सभी अधिकारियों को भूमिपुत्रों की शिकायतों का समाधान करने का निर्देश दिया।

स्थानीय नेताओं की उपस्थिति

इस मौके पर शिवसेना के नेता सुदेश चौधरी, भाजपा नेता कैलास पाटिल, जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट, संजोग यांडे, युवा अध्यक्ष विनीत तिवारी, विरार पूर्व शहर अध्यक्ष नारायण मांजरेकर, विरार पश्चिम शहर अध्यक्ष रवि पुरोहित, नालासोपारा पश्चिम शहर अध्यक्ष जय प्रकाश वझे समेत कई अन्य लोग भी मौजूद थे। बीजेपी के मीडिया प्रभारी और वसई विरार जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

महिला ने बैंक के रिकवरी एजेंटों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

सोशल मीडिया पर बताई आपबीती

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण क्षेत्र की एक महिला, जो एक स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाती हैं, ने बैंक के रिकवरी एजेंटों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म लिंक्डइन पर अपनी आपबीती साझा करते हुए कहा कि बैंक के एजेंट उसके घर बार-बार आते थे, जबकि वह व्यक्ति जिनकी वे तलाश कर रहे थे, अब वहां नहीं रहते थे।

निजता का उल्लंघन और उत्पीड़न की शिकायत

महिला ने बताया कि उन्होंने बार-बार एजेंटों को बताया था कि जिनकी वे तलाश कर रहे हैं, वह घर में नहीं रहते, फिर भी एजेंटों ने उन्हें परेशान करना जारी रखा। महिला ने इसे अपनी निजता का उल्लंघन बताते हुए कहा कि इस तरह का उत्पीड़न स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह जारी रहा, तो वह पुलिस में रिपोर्ट करेंगी।

बैंक का खेद और समाधान का प्रस्ताव

महिला की पोस्ट वायरल होने के बाद, बैंक ने अपनी प्रतिक्रिया दी। बैंक ने आपको हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया और महिला से संपर्क विवरण भेजने का आग्रह किया ताकि वे समाधान के साथ संपर्क कर सकें। बैंक ने आगे कहा कि महिला घटना का विवरण ईमेल करें ताकि वे उचित समाधान के साथ उनसे संपर्क कर सकें।

6 वर्ष के बच्चे को कुचलकर फरार होने वाला ओला ड्राइवर गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | वसई

वसई पूर्व के वालीव में बुधवार को एक 6 साल के बच्चे को ओला कंपनी के ड्राइवर ने कुचलने के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ वालीव पुलिस स्टेशन में लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया है।

हादसा और सीसीटीवी फुटेज

घटना बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे वसई के नाइक पाड़ा इलाके की है, जहां राघव चव्हान नामक 6 साल का बच्चा बाहर खेल रहा था। इसी दौरान ओला ड्राइवर ने गाड़ी चलाते हुए राघव को कुचल दिया और उसे काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया। हालांकि, कार के नीचे आने के बावजूद बच्चा सही-सलामत बच गया, लेकिन उसे कई जगह चोटें आईं और वह निजी अस्पताल में इलाज करवा रहा है।

पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी ड्राइवर की तलाश शुरू की। फरार होने के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया था, लेकिन पुलिस ने उसे मुंबई से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गाड़ी को भी जब्त कर लिया है।

पुलिस का बयान

वालीव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप घुगे ने बताया कि आरोपी टैक्सी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

पालतू जानवरों के मसले पर हाउसिंग सोसाइटियों का 3 दिवसीय सम्मलेन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले में स्थित हाउसिंग सोसायटियों का का तीन दिवसीय सम्मेलन शुरू गया है। सम्मेलन का विषय हाउसिंग सोसाइटियों में पालतू जानवरों खासकर कुत्तों के काटने से उत्पन्न समस्याओं पर केंद्रित है। करीब 2500 आवासीय सोसायटियों के प्रतिनिधि सम्मेलन के दौरान इस मसले पर चर्चा करेंगे। ठाणे जिला सहकारी आवास संघ लिमिटेड के अध्यक्ष सीताराम राणे ने 26 दिसंबर को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ठाणे की 2,500 आवासीय सोसायटियों ने पहले ही रमहा अधिवेशनर के लिए पंजीकरण करा लिया है। इस अधिवेशन में लगभग 25 हजार लोगों के भाग लेने की उम्मीद है।

इन समस्याओं पर RWA के प्रतिनिधि करेंगे चर्चा

सीताराम राणे ने कहा कि पालतू जानवरों से जुड़े मुद्दे आवासीय परिसरों में तनाव और संघर्ष के साथ-साथ कानून और व्यवस्था की समस्या भी पैदा कर रहे हैं। पशु कल्याण संगठनों के हस्तक्षेप के कारण ऐसी समस्याओं का समाधान निकालने में कइ तरह की मुश्किलें आ रही हैं। उन्होंने पालतू जानवरों की वजह से बच्चों की सुरक्षा को लेकर उत्पन्न समस्या पर चिंता व्यक्त की। साथ ही बताया कि कुछ मामलों में कुत्तों के काटने से गंभीर चोटें आई हैं तथा यहां तक कि मौतें भी हुई हैं। ठाणे जिला सहकारी आवास संघ लिमिटेड के अध्यक्ष सीताराम राणे ने पालतू जानवरों के रख-रखाव के संबंध में कड़े नियमों के कार्यान्वयन का आह्वान किया है।

हत्या के आरोपियों को कोर्ट ने पुलिस हिरासत में भेजा

डीबीडी संवाददाता | पालघर

पालघर के जव्हार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में दो लोगों ने मिलकर अपने ही एक दोस्त की हत्या कर दी है।पुलिस निरीक्षक किशोर मनभाव ने बताया कि दोनों आरोपियों पर हत्या का केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उन्हें 29 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक दादरकोपरा गांव में शराब के नशे सायवन मोरघा, सुभाष वायल ने नितिन अकने से एक पुरानी रंजिश को लेकर भिड़ गए है। और सायवन और सुभाष ने नितिन की पिटाई शुरू कर दी। इसी बीच सुभाष ने कुल्हाड़ी से नितिन पर हमला कर दिया। जिसमें नितिन बुरी तरह जख्मी हो गया और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।बता दें कि जव्हार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में पांच दिनों पहले भी शराब के नशे में एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई थी।

नवी मुंबई में दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

नवी मुंबई के कामोठे इलाके में स्थित खंडा कालोनी में छापा मारकर पुलिस ने दो बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों से गहन पूछताछ कामोठे पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे ने मीडिया को बताया कि खंडा कालोनी के सेक्टर 17 में बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध रूप से रहने की जानकारी मिली थी। इस पर पुलिस ने खंडा गांव में छापा मारकर इमरान कहूस उल्लाह (45) और मिनी इमरान मुल्ला (35) को गिरफ्तार किया है। कामोठे पुलिस स्टेशन की टीम दोनों से गहन पूछताछ कर रही है।

पीडब्लूडी लिपिक रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे शहर में लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ लिपिक विजय शंकर आव्हाड को ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो ने 23,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 26 दिसंबर 2024 को दोपहर 2:55 बजे हुई।

रिश्वत की मांग और वार्ता

ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो के अनुसार, विजय शंकर आव्हाड ने शिकायतकर्ता से निर्माण कार्य की भुगतान राशि स्वीकृत कराने के लिए 25,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी, जिसमें से 20,000 रुपये कार्यकारी अभियंता के लिए और 5,000 रुपये स्वयं के लिए थे। शिकायतकर्ता ने 23 दिसंबर 2024 को इसकी शिकायत ठाणे ब्यूरो से की थी। इसके बाद, आरोपी ने आपसी बातचीत में रिश्वत की राशि घटाकर 23,000 रुपये कर दी। जब वह उक्त राशि शिकायतकर्ता से लेकर कार्यालय में ले रहा था, तभी उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में इस मामले में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक शिवराज पाटिल के मार्गदर्शन में की गई।

खेल अधिकारी कार्यालय के संविदाकर्मियों के अधिकार छीने

21 करोड़ के घोटाले के बाद गिरी गाज

डीबीडी संवाददाता | छत्रपति संभाजी नगर

छत्रपति संभाजी नगर के विभागीय खेल परिसर के एक संविदा कर्मचारी की हेराफेरी के कारण सभी संविदाकर्मियों पर गाज गिरी है। छत्रपति संभाजी नगर डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कमेटी में अनुबंध पर नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटर हर्ष कुमार क्षीरसागर ने लगभग 21 करोड़ रुपए का घोटाला किया। 21 वर्षीय क्षीरसागर ने गलत तरीके से 21 करोड़ रुपए से अधिक की रकम अपने खाते में ट्रांसफर कर ली थी। इसका खुलासा होने के बाद खेल आयुक्त ने प्रदेश के खेल विभाग में कार्यरत सभी संविदाकर्मियों के सारे अधिकार छीन लिए हैं। साथ ही यह आदेश भी जारी कर दिया है कि संविदाकर्मियों को अकाउंट विभाग का कोई भी काम न सौंपा जाए। प्रदेश में संभागीय खेल परिसर के साथ-साथ जिला खेल अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत भरे गए सभी संविदा कर्मचारियों के अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि इन संविदा कर्मचारियों को अकाउंट विभाग के साथ-साथ बैंक से संबंधित कोई भी लेन-देन न दिया जाए। इसके साथ ही संकुल समिति के खाते वाले बैंकों को पत्र भेजकर कहा गया है कि खेल संकुल समिति के तहत बड़ी राशि का लेनदेन तब तक नहीं किया जाए जब तक संबंधित विभाग का अधिकारी वहां मौजूद न हो। आदेश में यह भी कहा गया है कि इंटरनेट बैंकिंग के संबंध में इसका सत्यापन कर विभाग को रिपोर्ट दी जाए।

घोटाले के बढ़ने की आशंका है

हर्ष कुमार ने संभागीय खेल परिसर समिति में 21 करोड़ का घोटाला किया। इसका दायरा बढ़ने की आशंका है। 21 करोड़ के घोटाले के अलावा दैनिक कारोबार में भी बड़ा लेनदेन होने की आशंका है। ऐसे में यह आंकड़ा 70 करोड़ रुपए तक बढ़ने का अनुमान है। सूत्रों ने बताया कि संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में आरोपी का बैंक को खाता फ्रीज करने को कहा गया।

ढाई लाख सीटें खाली हैं

राज्य सरकार के परिपत्र 1 जुलाई 2023 के अनुसार राज्य में विभिन्न विभागों के अंतर्गत चार लाख 78 हजार 82 सीटों में से दो लाख 45 हजार 944 सीटें रिक्त हैं। इन जगहों के लिए राज्य सरकार ने अनुबंध के आधार पर कर्मचारियों की नियुक्ति की। इसी में ये महत्वपूर्ण विभाग भी शामिल हैं।

ऐसे हुआ खुलासा

संभागीय खेल परिसर में वेव मल्टिसर्विसेज की ओर से 19 संविदा कर्मचारियों की भर्ती की गई। इसमें हर्ष कुमार को विभागीय परिसर में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नियुक्त किया गया था। महज दो साल में हर्ष ने डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कमेटी के पैसे पर नजर रखी और करोड़ों रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। छह महीने पहले एक बीएमडब्ल्यू कार, एक करोड़ रुपए का फ्लैट और चार घर खरीदने के बाद क्षीरसागर वरिष्ठ अधिकारियों के रडार पर आ गया था। जांच में उसकी पोल खुल गई।

लड़की को किडनैप किया, फिर गाजियाबाद ले जाकर जबरन करवा दी शादी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे में एक लड़की को बहला-फुसलाकर शादी के लिए मजबूर किया गया। लड़की ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद ठाणे पुलिस ने 12 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस मामले में सात आरोपियों की पहचान की जा चुकी है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस कार्रवाई और आरोपियों की पहचान

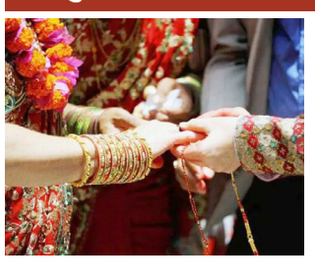

ठाणे पुलिस ने लड़की की शिकायत पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है, जिसमें अपहरण, धमकी, और कैद में रखने जैसे आरोप शामिल हैं। पुलिस ने सात आरोपियों की पहचान कर ली है और अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले की जांच की जा रही है।

मंदिर दर्शन के बहाने गुजरात से गाजियाबाद तक की यात्रा

पीड़ित लड़की ने पुलिस को बताया कि उसे पहले मंदिर में दर्शन कराने के बहाने गुजरात के नवसारी ले जाया गया। इसके बाद उसे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक रिश्तेदार के घर पर ले जाया गया, जहां उसे जबरन एक व्यक्ति से शादी करने के लिए मजबूर किया गया। लड़की ने जैसे-तैसे इस घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई।

खिड़की से बाथरूम में ताक-झांक कर रहा था पड़ोसी

महिला की शिकायत पर पुलिस ने लिया एक्शन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

महाराष्ट्र के भिवंडी में एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने पड़ोस में रहने वाली महिला के नहाते समय खिड़की से ताक-झांक की। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 77 के तहत कार्रवाई की गई है।

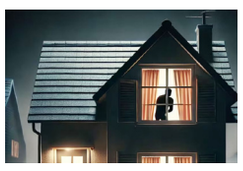

खिड़की से ताक-झांक की घटना

यह मामला भिवंडी के रेटीबंदर इलाके का है, जहां 30 वर्षीय ड्राइवर आरोपी भास्कर झा ने महिला के बाथरूम की खिड़की खोलकर ताक-झांक करने की कोशिश की। महिला ने जब इस घटना के बारे में जाना, तो उसने तुरंत परिजनों को सूचित किया और फिर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने महिला के बयान और सबूतों के आधार पर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। आरोपी भास्कर झा को भारतीय दंड संहिता की धारा 77 के तहत गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि आरोपी को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।

शराब पीने वाले 200 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे प्रादेशिक परिवहन विभाग ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 200 से अधिक चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई सितंबर से दिसंबर 2024 तक के चार महीने की अवधि में की गई, जब विभाग की वायुबेग स्पीड टीम ने ड्रंक एंड ड्राइव निरीक्षण अभियान चलाया।

वायुबेग स्पीड टीम ने ड्रंक एंड ड्राइव निरीक्षण अभियान चलाया

कड़ी कार्रवाई और विभाग की सतर्कता

विभाग की वायुबेग टीम ने ठाणे शहर के साथ-साथ भिवंडी और मीरा भायंदर शहरों में भी शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर सख्त निगरानी रखी। कुल मिलाकर, सितंबर में 37, अक्टूबर में 21, नवंबर में 33 और दिसंबर में 79 वाहन चालकों को शराब पीकर गाड़ी चलाते पकड़ा गया। ठाणे प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल ने बताया कि इन 200 से अधिक चालकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई है।

नव वर्ष के दौरान अतिरिक्त निगरानी

नव वर्ष के जश्न के दौरान भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभाग की वायुबेग टीम जश्न के आयोजनों वाले स्थानों पर गश्त कर रही है, ताकि शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके। विभाग ने चेतावनी दी है कि इस समय वाहन चालक को शराब पीकर गाड़ी नहीं चलानी चाहिए, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी नौकरी पाने के लिए इस्तेमाल किया आबकारी विभाग का जाली पत्र

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

सरकारी नौकरी पाने के लिए कई तरह करे लोग तरह-तरह के हथकंडे अपनाते रहते है। इसके लिए कई लोग गैर-कानूनी तरीके अपना कर सरकार नौकरी पाने की कोशिश करते रहे है। इसका एस मामला सामने आया है, जिसकी जानकारी अधिकारी ने दी। ऐसा ही एक मामला ठाणे से सामने आया है। महाराष्ट्र में आबकारी विभाग में नौकरी पाने के लिए एक सरकारी अधिकारी के नाम वाले जाली पत्र का इस्तेमाल किया गया। इस मामले को लेकर एक आरोप में ठाणे पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

ठाणे में दर्ज मामला

धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला किया दर्ज

बाद में मिली एक शिकायत में नियुक्ति से संबंधित धोखाधड़ी और दस्तावेजों में जालसाजी का खुलासा हुआ। अधिकारी ने बताया कि वागले एस्टेट थाने में बृहस्पतिवार को राज्य आबकारी अधीक्षक की शिकायत के आधार पर धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया और जांच की जा रही है। ऐसा नहीं है कि ये कोई पहला मामला हो ऐसे कई मामले होते है लेकिन सभी मामले सामने नहीं आ पाते। इसलिए सरकारी नौकरी के लिए सख्त से सख्त निरीक्षण किया जाता है ताकि कोई गलत तरीके से और अवैध तरीके से नौकरी ना पा सकें और सही उम्मीदवार को उसकी नौकरी मिले।

फर्जी पत्र भेजा गया

इस मामले के बारे में एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि पिछले साल ठाणे के सरकारी अस्पताल को आबकारी विभाग के एक शीर्ष अधिकारी की मुहर और नाम वाला एक फर्जी पत्र भेजा गया था। इस पत्र में विभाग के लिए चयनित दो उम्मीदवारों का चिकित्सा परीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। चिकित्सा परीक्षण कराए जाने के बाद उसमें से एक उम्मीदवार को जिले के मुरबाद में तथा दूसरे को शाहपुर क्षेत्र में आबकारी उपनिरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया।

मनमोहन सिंह के निधन से शोक में डूबा महाराष्ट्र

सीएम सहित दिग्गज नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

गुरुवार देर रात देश ने एक चमकते सितारे को खो दिया। भारत के दिग्गज नेता और पूर्व प्रधानमंत्री और महान अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनका निधन देश के लिए एक भारी नुकसान है। उनके निधन के बाद महाराष्ट्र मुख्यमंत्री सहित बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और बीजेपी के प्रमुख नेता देवेंद्र फडणवीस ने डॉ. मनमोहन सिंह को महान विद्वान, अर्थशास्त्री

और राजनेता बताया और एक्स पर पोस्ट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही चंद्रशेखर बावनकुले ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।

देवेंद्र फडणवीस ने दी श्रद्धांजलि

देवेंद्र फडणवीस ने एक्स पर लिखा, "हमारे पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन से, हमने एक महान विद्वान, अर्थशास्त्री और राजनेता खो दिया है। भारतीय आर्थिक सुधारों में उनके योगदान, 10 वर्षों तक प्रधान मंत्री के रूप में हमारे देश की सेवा, को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्हें मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना। ॐ शांति !

चंद्रशेखर बावनकुले ने दी श्रद्धांजलि

चंद्रशेखर बावनकुले ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "महान अर्थशास्त्री और पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर मन को व्यथित करने वाली है। उच्च शिक्षा से विभूषित, शांत, संयमी, विद्वान, दूरदर्शी और सात्विक व्यक्ति के धनी डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति देश के सभी राजनीतिक विचारधारा के नेताओं के मन में आदर था। अर्थशास्त्री के प्रोफेसर के रूप में अपने करियर की शुरुआत के बाद वे देश के गवर्नर, फिर वित्त मंत्री और उसके बाद प्रधानमंत्री बने। नए भारत के निर्माण में जिन नेताओं की अहम भूमिका रही है, वे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नाम निश्चित रूप से लिया जाएगा। उन्हें मेरी भावपूर्ण श्रद्धा।

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने दी श्रद्धांजलि

विजय वडेट्टीवार ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "सभ्य राजनीति का युग समाप्त हो गया है। डॉ. मनमोहन सिंहजी को भावभीनी श्रद्धांजलि। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की दुखद खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। देश में सभ्य राजनीति का युग आ गया है उनके निधन के साथ ही राजनीति का अंत हो गया! अपने आचरण से उन्होंने राजनीतिक नेताओं को यह सीख दी कि विपक्ष की कड़ी आलोचना को सहते हुए भी धैर्य के साथ राजनीति की जा सकती है! देश के आर्थिक सुधारों और 1991 में उदारीकरण के ऐतिहासिक फैसले में उनके योगदान ने देश की नींव रखी। भारत के विकास की नींव डॉ. मनमोहन सिंह जी की साहसिक और विकासपरक नीतियों ने भारत को आधुनिकता के पथ पर अग्रसर किया है। शांत, विद्वान और दूरदर्शिता से परिपूर्ण उनका नेतृत्व देश के लिए प्रेरणादायी रहा। विदेश नीति से लेकर आर्थिक स्थिरता बनाने तक, उनका नेतृत्व देश के लिए प्रेरणादायी रहा। उनके कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा दिया गया योगदान अमूल्य है। आज देश ने एक महान नेता, अर्थशास्त्री और सच्चे देशभक्त को खो दिया है। उनकी आत्मा को शांति मिले, यही हमारी ईश्वर से प्रार्थना है।

एकनाथ शिंदे ने दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर अत्यंत दु:खद है। पहले केंद्रीय वित्त मंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पहचान इतिहास में एक दूरदर्शी नेता के रूप में रहेगी, जिन्होंने क्रांतिकारी फैसले लिए जिससे देश के आर्थिक विकास को गति मिली और देश की अर्थव्यवस्था के लिए नए रास्ते खुले। बेहद सरल, सीधे और शांत स्वभाव के डॉ. मनमोहन सिंह वैश्विक स्तर पर एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन से एक रणनीतिक और बुद्धिमान अर्थशास्त्री और राजनीतिक नेता खो गया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिवार को इस दु:ख से उबरने की शक्ति दे। भावभीनी श्रद्धांजलि।"

शरद पवार ने दी श्रद्धांजलि

शरद पवार ने शोक जताते हुए एक्स पर लिखा, "भारत के पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। हमारे राष्ट्र ने अपने महानतम अर्थशास्त्रियों में से एक, एक दूरदर्शी सुधारवादी और एक वैश्विक राजनेता को खो दिया है। उनका जाना एक असहनीय क्षति है – वह एक धर्मात्मा व्यक्ति थे जो विनम्रता, सहनशीलता, सहनशीलता और करुणा का प्रतीक थे। भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में, उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले"

अजित पवार ने दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने लिखा, "पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। वे एक सज्जन व्यक्ति थे, उनकी दूरदर्शिता हमारे देश के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गई। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं।"

आदित्य ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने दी श्रद्धांजलि

आदित्य ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने भी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी और एक्स पर लिखा, "पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन से बहुत दुखी हूं। उनके आवास पर उनसे हुई संक्षिप्त मुलाकात ने मुझ पर एक अमिट छाप छोड़ी कि कैसे प्रधानमंत्री अपने नाम और कार्यकाल के साथ बहुत सारी उपलब्धियां दर्ज होने के बावजूद वास्तव में विनम्र, शालीन और गरिमामय हो सकते हैं।" देश पर प्रभाव पर उन्होंने लिखा, "90 के दशक में जन्मे मेरे जैसे व्यक्ति के लिए, भारत का दुनिया के लिए खुलना और इसके विपरीत, एक ऐसे दशक में बड़ा होने जैसा था, जहां हर दिन नया था और दुनिया हमारे करीब आ गई थी, इसका श्रेय उन्हें जाता है। शायद भारत के उन लोगों में से एक, जिन्होंने हमारे जीवन और पूरे देश पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है।" आदित्य ठाकरे ने लिखा, "उन्होंने वास्तव में हमारे देश को विश्व मंच पर स्थापित किया। जैसा कि उन्होंने सभी निराधार आलोचनाओं को झेलते हुए अपने बारे में कहा था, "इतिहास दयालु होगा", हम भारतीयों के रूप में वास्तव में विश्वास करते हैं, कि वर्तमान भी उनकी राजनेता जैसी विरासत के प्रति दयालु होगा, क्योंकि हम सभी उन्हें दुखद विदाई दे रहे हैं।

आरएसएस ने देश के लिए उनके योगदान को किया याद

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और दिग्गज राजनेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख सचिव ने शोक जताया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत और इसके महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। आरएसएस द्वारा एक बयान जारी किया गया। इस संयुक्त बयान में कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री एवं देश के वरिष्ठ नेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से पूरा देश अत्यंत दुखी है।

दुष्कर्म मामले में आरोपी को राहत मिलने पर कोर्ट नाराज

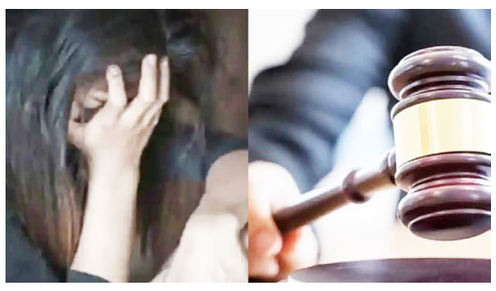

मुंबई। दुष्कर्म के आरोपी एक प्रोड्यूसर द्वारा एक मॉडल के साथ दुष्कर्म मामले में अदालत में सुनवाई हुई। एक सत्र अदालत ने कहा है कि दुष्कर्म के आरोपी फिल्म निर्माता गुणवंत जैन को उसकी गिरफ्तारी के आधार के बारे में सूचित किए जाने के मामले में राहत देने में अधीनस्थ अदालत को "अति-तकनीकी दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए था।"

21 नवंबर को गिरफ्तारी

मॉडल (38) के साथ दुष्कर्म के आरोपी जैन को 21 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन पुलिस ने उन्हें उपनगर अंधेरी में एक मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष पेश किया और पांच दिनों के लिए उसकी रिमांड मांगी। मजिस्ट्रेट ने हालांकि जैन की तत्काल रिहाई का आदेश देते हुए कहा कि उन्हें हिरासत में लिए जाने के 4 मिनट बाद गिरफ्तारी के कारणों के बारे में सूचित किया गया, और इसे उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) का उल्लंघन बताया।

सत्र अदालत में दायर आवेदन

जैन को मिली राहत के बाद पुलिस ने सत्र अदालत (दिंडोशी) के समक्ष पुनरीक्षण आवेदन दायर किया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (दिंडोशी न्यायालय) डी.जी. ढोबले ने 24 दिसंबर को पुनरीक्षण आवेदन को स्वीकार कर लिया और फिल्म निर्माता को संबंधित पुलिस थाने (वर्सोवा) में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया।

अदालत ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने में विफल रहने की स्थिति में जांच अधिकारी को जैन को गिरफ्तार करने की अनुमति दे दी। मजिस्ट्रेट अदालत में झटका लगने के बाद पुलिस ने सत्र अदालत में दलील दी थी कि मजिस्ट्रेट का आदेश "कानून के विपरीत और जांच के लिए हानिकारक" था। पुलिस ने यह भी तर्क दिया कि जैन की गिरफ्तारी वैध थी और बीएनएसएस के अनुरूप थी। अभियुक्त ने अपने वकील के माध्यम से तर्क दिया कि बीएनएसएस के तहत अनिवार्य प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का पालन न करने के कारण गिरफ्तारी अपने आप में अवैध थी। जैन के वकील ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तारी के आधार के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया और न ही उसके परिवार के सदस्यों को (21 नवंबर को 10.56 बजे उसकी गिरफ्तारी के समय) सूचित किया गया। बचाव पक्ष ने कहा कि उन्हें लगभग 11 बजे गिरफ्तारी के आधार के बारे में सूचित किया गया।

टाइपिंग के दौरान हुई चूक

सत्र अदालत ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि फिल्म निर्माता को गिरफ्तारी के आधार बता दिए गए थे और यह केवल समय के बारे में था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा कि कानून के अनुसार गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी तुरंत दी जानी चाहिए। तत्काल का अर्थ कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन मेरे विचार में, कानूनी अर्थ के अनुसार परिस्थितियों के अनुसार इसे उचित समय के भीतर होना चाहिए। रिकॉर्ड किए गए समय में यह विसंगति परिस्थितियों के तहत गिरफ्तारी के आधार टाइप करने के दौरान समय की चूक प्रतीत होती है। इस विसंगति के कारण अभियुक्त को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। न्यायाधीश ने आदेश में कहा, "मजिस्ट्रेट ने आक्षेपित आदेश में अति-तकनीकी दृष्टिकोण अपनाते हुए कहा कि गिरफ्तारी अवैध थी। ऐसा दृष्टिकोण न तो कानून के अनुसार टिकने योग्य है और न ही रिकॉर्ड द्वारा समर्थित है।" प्रोड्यूसर पर शादी का झूठा आश्वासन देकर मॉडल का यौन शोषण करने का आरोप है।

एयर इंडिया पायलट आत्महत्या केस

कोर्ट ने प्रेमी को दी जमानत

उकसाने के आरोप में हुई थी गिरफ्तारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने एयर इंडिया की पायलट सृष्टि तुली के प्रेमी आदित्य पंडित को जमानत दे दी है। सृष्टि तुली के आत्महत्या के मामले में प्रेमी आदित्य पंडित को उकसाने की आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एयर इंडिया की पायलट सृष्टि तुली मरोल इलाके में 'कनकिया रेन फॉरेस्ट' बिल्डिंग में किराए के फ्लैट में रहती थी, वो 25 नवंबर की सुबह मृत पाई गई थी। इस मामले में एक दिन बाद, पुलिस ने उसके प्रेमी आदित्य पंडित को गिरफ्तार कर लिया और उस पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था।

सृष्टि तुली के पिता ने मामले में दर्ज कराई थी शिकायत

मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (डिंडोशी कोर्ट) टीटी अग्लावे ने उसकी जमानत याचिका मंजूर कर ली। लेकिन विस्तृत आदेश अभी तक उपलब्ध नहीं कराया गया है। वहीं सृष्टि तुली के पिता की तरफ से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि आरोपी और उसकी बेटी आत्महत्या से पहले पांच-छह दिनों तक एक ही कमरे में रह रहे थे। हालांकि, घटना वाले दिन आरोपी दिल्ली चला गया।

खाने की अलग-अलग पसंद को लेकर था विवाद

शिकायत के अनुसार, आरोपी और मृतका की खाने की पसंद अलग-अलग थी और इसी बात को लेकर उनके बीच विवाद था। सृष्टि तुली मांसाहारी थी और आरोपी शाकाहारी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आदित्य पंडित ने सृष्टि तुली पर लगातार अपने खान-पान की आदतें बदलने का दबाव डाला, जिसके कारण उसने आत्महत्या कर ली। हालांकि, आदित्य पंडित के वकील अनिकेत निकम ने तर्क दिया कि आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला नहीं बनता। उन्होंने कहा, ₹केवल इसलिए कि दोनों के बीच कुछ झगड़े हुए थे, इसका मतलब यह नहीं है कि आवेदक का कोई आपराधिक इरादा था।

मृतका एक शिक्षित महिला थी- आरोपी का वकील

मामले में वकील अनिकेत निकम ने आगे तर्क दिया कि उकसाने का आरोप लगाने के लिए, यह दिखाना आवश्यक था कि मृतक के पास आत्महत्या करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा, मौजूदा मामले में ऐसा नहीं था। मृतक एक शिक्षित महिला थी। अगर वह रिश्ते से खुश नहीं थी, तो वह हमेशा इससे बाहर निकल सकती थी या अगर उसे आरोपी की तरफ से परेशान किया जा रहा था, तो वह इसकी शिकायत कर सकती थी।₹ वकील ने तर्क दिया कि न तो पहले कोई शिकायत थी और न ही कोई सुसाइड नोट, और इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि आवेदक ने आत्महत्या के लिए उकसाया।

आरोपी ने अपनी याचिका में क्या दी दलील

वहीं आदित्य पंडित ने अपनी जमानत याचिका में उल्लेख किया है कि जब वह राष्ट्रीय राजधानी जा रहे थे, तो उन्होंने सृष्टि तुली को कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। वह चिंतित हो गए और वापस मुंबई पहुंचे और पाया कि उनके फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद था। जब दरवाजे पर बार-बार दस्तक देने के बावजूद सृष्टि तुली ने दरवाजा नहीं खोला, तो आदित्य पंडित ने चाबी बनाने वाले को बुलाकर दरवाजा खुलवाया।

अंधेरी से दहिसर जाने वाली मेट्रो सेवा प्रभावित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अंधेरी से दहिसर जाने वाली मेट्रो सेवा के शुक्रवार को प्रभावित होने की जानकारी सामने आई। बता दें कि मुंबई गोंदावली से अंधेरी पक्षिम जाने वाली मेट्रो फेज 3 ट्रेन के डिब्बे तकनीकी समस्या के चलते प्रभावित हुए। यह घटना करीब 4 बजे की है जब मेट्रो ट्रेन अंधेरी पश्चिम से दहिसर पूर्व स्टेशन की तरफ आ रही थी।

मेट्रो सेवा हुई बहाल

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शाम 4 बजे आधे घंटे तक यात्रियों को ओवरी पाढ़ा मेट्रो स्टेशन पर इंतजार करना पड़ा। मुंबई गोंदावली से अंधेरी पक्षिम जाने वाली ट्रेन के डिब्बे में तकनीकी समस्या की शिकायत दर्ज की गई। जिसके बाद दहानुकर वाड़ी मेट्रो स्टेशन से दूसरी ट्रेन बुलाकर कांदिवली मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों को पुन: सेवा शुरू की गई।

सरपंच संतोष देशमुख हत्या का मामला गरमाया

धनंजय मुंडे के खिलाफ जांच की मांग, आज होगी महारैली

मुंबई/बीड। महाराष्ट्र के बीड में मसाजोग गांव के सरपंच का हत्याकांड तूल पकड़ रहा है। सरपंच संतोष देशमुख मर्डर केस के दोषियों को पकड़ने और उनको सजा दिलाने की मांग विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी लगातार कर रही है। इस बीच अब एमवीए की ओर से बड़ा कदम उठाया जा रहा है। शनिवार (28 दिसंबर) को बीड में एमवीए की सभी पार्टियों की तरफ से बड़ी रैली निकाली जाएगी। इस रैली में एमवीए के सभी बड़े नेताओं समेत कांग्रेस, शरद पवार गुट और उद्धव ठाकरे गुट के कई नेता शामिल होने वाले हैं। यह रैली बीड में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में निकाली जा रही है। विपक्ष का आरोप है कि संतोष देशमुख हत्याकांड में महायुति के नेता धनंजय मुंडे के लोग शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे

रखरखाव कार्य

सीनियर डीईई/पी/बीसीटी, **निविदा सूचना संख्या : ईएल 81/1/डब्ल्यूए/33, दिनांक 24.12.2024 को आमंत्रित करता है। कार्य और स्थान:** बांद्रा टर्मिनस (बांद्रा से गोरेगांव खंड): बांद्रा टर्मिनस रखरखाव शेड में एयर सर्कुलेटर का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत:** 4,55,960/-। **ईएमडी:** 9,100/-। **जमा करने की तिथि और समय:** 24.01.2025, 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समय:** 24.01.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें www.ireps.gov.in 0888

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिमी रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008, **निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/246, दिनांक 27.12.2024 को आमंत्रित करता है। कार्य और स्थान:** सांताक्रूज़ से बोरीवली - रेलवे स्टेशनों पर पुरानी जंग लगी पानी की पाइप लाइन की मरम्मत। कार्य की **अनुमानित लागत:** 1,54,66,790.43। **ईएमडी:** 2,27,300/-। **जमा करने की तिथि और समय:** 21.01.2025, 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समय:** 21.01.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर जाएँ। मैनुअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। 0890

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद-तिरुच्चिराप्पल्ली (वाया - वसई रोड) के बीच विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथि	प्रस्थान	आगमन
09419	अहमदाबाद -तिरुचिरापल्ली	02.01.2025 से अगले आदेश तक	09:30 बजे (गुरुवार)	03:45 बजे (शनिवार)
09420	तिरुचिरापल्ली - अहमदाबाद	05.01.2025 से अगले आदेश तक	05:40 बजे (रविवार)	21:15 बजे (सोमवार)

हाल्ट: वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, कल्याण, पुणे, सोलापुर, कलबुर्गी, वाडी, रायचूर, मंत्रालयम, गुंटकल, ताड़िपत्री, कडप्पा, रेनिगुंटा, अरकोणम, पेरम्बूर, चेन्नई एग्मोर, ताम्बरम, चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कुड्डालोर पोर्ट, चिदंबरम, सिरकाज़ी, वैथीस्वरनकोइल, मयिलादुथुराई, कुंभकोणम, पापनासम और तंजावुर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी।

संरचना: एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नं. 09419 सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 29.12.2024 से खुलेगा। उपरोक्त रेलगाड़ी विशेष किराये पर विशेष रेलगाड़ी के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान प्रमाण साथ रखें

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

बी.वाई.एल. नायर चा. अस्पताल
डॉ. ए.एल. नायर रोड, मुंबई - 400 008.
सं.-एईसी/4055 दिनांक: 27.12.2024

ई-निविदा सूचना

क्र.	कार्य का नाम	निविदा आईडी	रुपये में ईएमडी	रुपये में जीएसटी सहित निविदा शुल्क	महाटेंडर वेबसाइट से निविदा डाउनलोड करने की आरंभ तिथि और समय	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय
1	बी.वाई.एल. नायर चा. अस्पताल में प्लंबिंग कार्यों के लिए आवश्यक विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति।	2024_MCGM -1130482/-	-5000/-	660/- +18% जीएसटी	28.12.2024 1200 बजे से	04.01.2025 13.00 बजे तक

कृपया अधिक जानकारी के लिए महाटेंडर पोर्टल https://mahatenders.gov.in देखें।

हस्ता/-
पूर्व प्रशासक, बी.वाई.एल. नायर च. अस्पताल

पीआरओ/2097/विज्ञा./2024-25

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

फिर नदी जोड़

यह सुखद ही है कि जिन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम शुरू होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह फीसदी आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फ चार फीसदी पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है। निश्चित रूप से पानी के समुचित वितरण, बाढ़ नियंत्रण, सूखे से मुकाबले और जलविद्युत उत्पादन में अधिक समानता के लिये ऐसी परियोजना की तार्किकता साबित होती है। इसके बावजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान देने की भी सख्त जरूरत है। शोध अध्ययनों में दावा किया गया है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र में बदलाव ला सकती हैं। साथ ही परेशानी करने वाली जटिल जल-मौसम विज्ञान प्रणालियां विकसित हो सकती हैं। ऐसे में संभावित पारिस्थितिकीय क्षति की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, इस दिशा में आगे चलकर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले नीति-नियंताओं को फिर से परियोजना को तैयार करने पर संभवित प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के लिये तैयार रहना चाहिए। केन-बेतवा परियोजना के जरिये जटिल पर्यावरणीय पैटर्न का समाधान प्रदान करने के लिये विज्ञान सम्मत पहल होनी चाहिए। इसके लाभ व हानि के पक्ष का मंथन भी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि आज भी जल संरक्षण के लिये सामूहिक पहल सार्वजनिक नीति में एक गायब कड़ी बनी हुई है। ऐसे में बड़े पैमाने पर बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ,सरकार को कुशल सिंचाई परियोजनाओं, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और प्रदूषित पानी की स्वच्छता के लिये सस्ती प्रौद्योगिकियों के विकास पर अनुसंधान में तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही पर्याप्त वित्तीय समर्थन की भी जरूरत है। बताया जा रहा है कि केन-बेतवा योजना के सिरे चढ़ने से मध्य प्रदेश की आठ लाख हेक्टेयर से अधिक व उत्तर प्रदेश की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इससे पहले कुछ दिन पूर्व जयपुर में पार्वती-काली सिंध व चंबल नदी लिंक परियोजना के लिये त्रिपक्षीय समझौते के सिरे चढ़ने को इस कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। भविष्य में जल संकट से निबटने में ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

सरकार अर्थव्यवस्था और व्यापार की कमान संभालती है, रिजर्व बैंक नहीं

नन्तू बनर्जी

आम तौर पर, पांच प्रमुख कारक घरेलू मुद्रा की विनिमय दरों को प्रभावित करते हैं। मुद्रास्फीति दर और विदेशी व्यापार संतुलन उनमें से सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। उच्च मुद्रास्फीति का अनुभव करने वाले राष्ट्र आमतौर पर अपने व्यापारिक भागीदारों की मुद्राओं की तुलना में अपनी मुद्रा में मूल्य ह्रास देखते हैं। ब्याज दर केंद्रीय बैंक द्वारा नियंत्रण मूल्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। रिजर्व बैंक के नये गवर्नर संजय मल्होत्रा, जो एक पेशेवर नौकरशाह और पूर्व राजस्व सचिव हैं, से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, घरेलू मुद्रा को स्थिर करने, विदेशी मुद्रा नियंत्रण और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने जैसे केंद्रीय बैंक प्रमुख के प्रमुख कार्यों को पूरा करने के मामले में बहुत उम्मीद करना अनुचित होगा। यदि 2014 के बाद से रिजर्व बैंक के तीन पूर्ववर्ती गवर्नर - रघुराम राजन, उर्जित पटेल और शक्तिकांत दास - उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम नहीं थे, तो यह उम्मीद करने का कोई कारण नहीं है कि वर्तमान रिजर्व बैंक गवर्नर का प्रदर्शन बहुत अलग होगा। शक्तिकांत दास, जो एक पेशेवर नौकरशाह और पूर्व वित्त सचिव भी हैं, का रिजर्व बैंक गवर्नर के रूप में दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल था। इसके बावजूद दास ने मूल्य और मुद्रास्फीति को रोकने में बहुत कम सफलता हासिल की, खासकर मजदूरों से जुड़े वस्तुओं के मामले में, जैसे खाद्यान्न, वस्त्र, दूध, साबुन, चीनी आदि,जो देश की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले निम्न और मध्यम आय वर्ग को चिंतित करते हैं। वह रुपये के विनिमय मूल्य में गिरावट को भी नहीं रोक पाये, तथा बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, आवक और जावक दोनों तरह से धन प्रवाह के प्रवाह, एवं व्यापार और आर्थिक विकास को भी स्थिर नहीं रख सके। इसके विपरीत चिंताजनक रूप से, रुपया-अमेरिकी डॉलर विनिमय समता 2014 से 40 प्रतिशत से अधिक गिर गयी है। एक अमेरिकी डॉलर के लिए विनिमय दर60.34 रुपये से बढ़कर अब 85 रुपये से अधिक हो गयी है।

निश्चित रूप से यह आरबीआई गवर्नर के अधिकार में नहीं है कि वह स्वतंत्र रूप से अपने कार्यात्मक उद्देश्यों को आगे बढ़ायें और अपनी सफलता या विफलता के लिए जिम्मेदार हों। यह अक्सर होता है कि आरबीआई गवर्नर सरकार और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बड़े औद्योगिक उधारकर्ताओं के दबाव में काम करते हुए देखे जाते हैं। पिछले 10 वर्षों (2013-2023) में भारत की औसत जीडीपी वृद्धि दर 8.5 प्रतिशत थी। मजदूरों से जुड़े सामान के लिए औसत खुदरा मुद्रास्फीति दर लगभग नौ प्रतिशत थी। यह कहना मुश्किल है कि आरबीआई की ब्याज दर में हेरफेर पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की उच्च मुद्रास्फीति प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने में कितनी प्रभावी रही है। आरबीआई द्वारा तय की गयी प्राइम लेंडिंगरेट का देश की अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति दरों और खपत पर बहुत कम प्रभाव पड़ा। अप्रैल 2012 में भारत की उच्चतम बैंक ऋ ण दर 12.56 प्रतिशत थी। 2012 से 2024 तक भारत में औसत बैंक ऋण दर 10.61 प्रतिशत थी। मुद्रास्फीति नियंत्रण, विनिमय दर स्थिरता, आर्थिक स्थिरता, व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और निर्यात को बढ़ावा देने के संबंध में आरबीआई की नीतियां इन क्षेत्रों में सरकार के अपने निर्णयों, कार्यों या निष्क्रियताओं से काफी प्रभावित होती हैं, यदि काफी हद तक निर्देशित नहीं होती हैं तो भी।

कागज पर, केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति के लिए जिम्मेदार है, जिसमें मुद्रा आपूर्ति का निर्धारण करना, मुद्रा मूल्य को स्थिर करने में मदद करने के लिए मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने सम्बंधी नीतियों को लागू करना शामिल है। यदि आरबीआई रुपये की विनिमय दर स्थिरता बनाये रखने में विफल रहा है, तो इसका कारण यह है कि सरकार देश को पर्याप्त रूप से आत्मनिर्भर बनाने में पूरी तरह विफल रही है। देश तेजी से आयात पर निर्भर होता जा रहा है, जिससे साल दर साल भारी व्यापार घाटा हो रहा है। इससे रुपये की विनिमय दर स्थिरता प्रभावित हो रही है। शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) कम बना हुआ है, हालांकि आरबीआई की नीति एफडीआई के अनुकूल है।

आरबीआई देश और उसके बाजार के बारे में विदेशी निवेशकों की धारणा को बदलने के लिए कुछ खास नहीं कर सकता, जो मूल रूप से सरकार का काम है। 2024 के दौरान भारत का शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केवल 10.58अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास रहने की उम्मीद है। सरकार अक्सर उच्च व्यापार घाटे के लिए बढ़ते पेट्रोलियम आयात को दोषी ठहराती है। यह सच नहीं है।इस प्रकार, रिजर्व बैंक नहीं, बल्कि भारत सरकार देश की अर्थव्यवस्था और व्यापार पर पूर्ण नियंत्रण रखती है। सरकार की नीतियां घरेलू उत्पादन, आयात और वितरण के लिए जिम्मेदार हैं। उदाहरण के लिए, इस वर्ष सरकार ने जनता के पास अधिशेष मुद्रा आपूर्ति के एक हिस्से को नियंत्रित करने के लिए सस्ते सोने के आयात की अनुमति दी। मुद्रा आपूर्ति और विनिमय दर को स्थिर करने में आरबीआई सरकार के लिए सबसे अच्छा सहायक है। इस प्रकार, भारतीय मुद्रा की स्थिरता, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, निर्यात को बढ़ावा देने और सार्वजनिक ऋ ण को नियंत्रण में रखने के संबंध में नवनियुक्त आरबीआई गवर्नर से कोई चमत्कार करने की उम्मीद करना अनुचित होगा।

जीवन मंत्र

जे कृष्णमूर्ति

नया समाज तभी बनेगा

आप जानते हैं कि सृजन तभी हो सकता है, जब ऊर्जा का विस्फोट होगा। ऊर्जा, जो कभी दूषित नहीं हुई है, वह किसी प्रयास, किसी इच्छा का प्रतिफल नहीं है, बल्कि वह ऊर्जा तो क्रिया स्वयं लाती है।

क्या आप जानते हैं कि सृजन क्या है? अभिव्यक्ति सृजन नहीं है। इसको समझना काफी सरल है। एक लेखक के रूप में; एक कवि के रूप में; एक संगीतकार के रूप में; एक कलाकार के रूप में आप जो अभिव्यक्त करना चाहते हैं, वह सृजन नहीं है। यह बिल्कुल अलग चीज है। आप जानते हैं कि सृजन तभी हो सकता है, जब ऊर्जा का विस्फोट होगा। ऊर्जा, जो कभी दूषित नहीं हुई है, वह किसी प्रयास, किसी इच्छा का प्रतिफल नहीं है, बल्कि वह ऊर्जा तो क्रिया स्वयं लाती है। और अब हमारी सारी गतिविधियां तो कमोबेश आत्मकेंद्रित हैं, विभिन्न चीजों को लेकर स्वकेंद्रित हैं; और कोई भी आत्मकेंद्रित गतिविधि निरपवाद रूप से विरोधाभासों को जन्म देती है। गौर कीजिए, विरोधाभास की स्थिति में होना अभिव्यक्ति की मांग करता है- मुझे इससे बचना चाहिए, मुझे इसके बारे में जरूर लिखना चाहिए, मुझे यह करना चाहिए। अब जो व्यक्ति आत्म-विरोधाभास की स्थिति में है, आत्मकेंद्रित गतिविधि की स्थिति में है, वह एक चित्रकार के रूप में, कवि के रूप में, कलाकार के रूप में या संगीतकार के रूप में जो कुछ

अभिव्यक्त करता है, वह उसको सृजन कह सकता है, मगर ऐसा है नहीं। सृजन को तो असाधारण रूप से भिन्न होना चाहिए, और यह है। अब, जब मन को छुआ नहीं जाता है या विरोधाभास की पूरी संरचना, चेतन-अचेतन को समझ नहीं लिया जाता है, तो वह पूरी तरह से शांत है। याद रखिए, ऊर्जा की कोई भी गति क्षय है। यह तभी होता है, जब मन पूरी तरह से शांत होता है, जबरदस्त ऊर्जा के साथ तभी एक विस्फोट होता है और वह विस्फोट सृजन है, जिसको अभिव्यक्ति की आवश्यकता हो भी सकती है और नहीं भी हो सकती है। तो जो मन डरता है, महत्वाकांक्षी है, लालची है, ईर्ष्यालु है, प्रतिस्पद्धी है, ऐसे मन में कभी भी वह ऊर्जा नहीं हो सकती, जो क्रिया द्वारा लाई जाती है। और जाहिर तौर पर ऐसा दिमाग कभी यह नहीं जान सकता कि प्रेम क्या है? जहां प्रेम है, वहां रोजमर्रा के अनुभवों की सभी स्मृतियां खत्म हो रही हैं, और इसीलिए प्रेम और मृत्यु को हमेशा साथ-साथ चलना चाहिए, क्योंकि प्रेम हमेशा ताजा, नया, युवा, निर्मल होता है, वह अतीत से दूषित नहीं होता। इसलिए इसे हर दिन के अतीत के प्रति मरना होगा। तो प्रेम और मृत्यु उस जबरदस्त ऊर्जा में मौजूद होनी चाहिए, जब वह ऊर्जा पूरी तरह से शांत हो। फिर वह सृजन है। अब उस रचना को चाहे जिस भी नाम से पुकारें, बहुत कम महत्व रखती है। जब तक यह प्रत्येक मनुष्य में नहीं आता; जो समाज का हिस्सा है, जो स्वयं समाज है, वहां नया समाज नहीं हो सकता।

शख्सियत

फारूक शेख

अभिनेता, परोपकारी और टेलीविजन प्रस्तोता

फारूक शेख एक भारतीय अभिनेता, परोपकारी और टेलीविजन प्रस्तोता थे। उन्हें 1973 से 1993 तक हिंदी फिल्मों में उनके काम और 1988 और 2002 के बीच टेलीविजन में उनके काम के लिए जाना जाता था। उनका प्रमुख योगदान था समानांतर सिनेमा या न्यू इंडियन सिनेमा में। उन्होंने टेलीविजन पर धारावाहिकों और शो में अभिनय किया और फ़िरोज अब्बास खान द्वारा निर्देशित शबाना आजमी के साथ तुम्हारी अमृता (1992) जैसी प्रस्तुतियों में मंच पर प्रदर्शन किया और टीवी शो, जीना इसी का नाम है प्रस्तुत किया। लाहौर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का 2010 का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फारूक शेख का जन्म 25 मार्च 1948 में वडोदरा, गुजरात, भारत से 90 किमी दूर एक गांव अमरोली में फरीदा और मुस्तफा शेख के घर हुआ था। उनके पिता एक वकील थे, जो बंबई में काम करते थे और उनका परिवार गुजरात के भरूच जिले के हंसोट से आया था। शेख एक जमींदार परिवार से थे और उनका पालन-पोषण नागपाड़ा, बंबई में आलीशान माहौल में हुआ। वह पांच बच्चों में सबसे बड़े थे। 1973 में, जब शेख लॉ स्कूल के अपने अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे, तब एमएस सथ्यू ने उनसे अपने निर्देशन की पहली फिल्म गरम हवा के लिए संपर्क किया। 1973 में रीलीज हुई गरम हवा उनकी डेब्यू फिल्म थी, जिसमें फारूक सहायक भूमिका में और बलराज साहनी मुख्य भूमिका में थे।इसके बाद उन्होंने बतौर लीड एक्टर कई सुपरहिट फिल्में दी। फिल्मों के अलावा उन्होंने टीवी शो जीना इसी का नाम है की मेजबानी की, जिसमें उन्होंने हिंदी फिल्म जगत की मशहूर हस्तियों का साक्षात्कार लिया। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर और सीधा विनम्र दृष्टिकोण शो की यूएसपी थी। यूनिसेफ पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम में उनके योगदान के बारे में कम लोग जानते हैं। उन्होंने दो पोलियो-स्थानिक राज्यों, बिहार और उत्तर प्रदेश की कई व्यापक यात्राएं कीं, और इसकी कार्यक्रम टीमों के साथ मिलकर काम किया, जो पोलियो वैक्सीन के लिए अधिक स्वीकृति प्राप्त करने के लिए समुदायों के साथ काम कर रहे थे। वह मुंबई में 26/11 प्रभावित परिवारों की मदद भी करते रहे। फारूक शेख की 28 दिसंबर 2013 की सुबह दिल का दौरा पड़ने से दुबई में मृत्यु हो गई, जहां वह अपने परिवार के साथ छुट्टी पर थे। उनकी अंतिम संस्कार की नमाज़ 30 दिसंबर 2013 को मुंबई में मिल्लत नगर अंधेरी मस्जिद में आयोजित की गई।

जीवन ऊर्जा

रतन नवल टाटा : जन्म 28 दिसंबर, 1937

जन्म

जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए उतार-चढ़ाव बहुत जरूरी

रतन नवल टाटा एक भारतीय उद्योगपति और टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष हैं। उनका जन्म 28 दिसंबर, 1937 में हुआ था। वे 1990 से 2012 तक टाटा समूह के अध्यक्ष भी थे। इसके साथ ही वे अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक अंतरिम अध्यक्ष के रूप में भी काम कर रहे थे। वे इसके धर्मार्थ ट्रस्टों के प्रमुख हैं। 2000 में उन्हें पद्म भूषण प्राप्त करने के बाद, 2008 में, उन्हें भारत में दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण मिला। टाटा शिक्षा, चिकित्सा और ग्रामीण विकास के समर्थक हैं, और भारत में एक अग्रणी परोपकारी माने जाते हैं।

मैं सही फैसले लेने में यकीन नहीं रखता; बल्कि मैं फैसले लेकर, उन्हें सही साबित करता हूं। दुनिया में करोड़ो लोग मेहनत करते है। फिर भी सबको अलग-अलग परिणाम प्राप्त होते है। इस सब के लिए मेहनत करने का तरीका जिम्मेदार है। इसलिए व्यक्ति को मेहनत करने के तरीके में सुधार करना चाहिए। अगर आपको तेज चलना है, तो अकेले चलिए; लेकिन अगर दूर तक चलना है, तो साथ-साथ चलना होगा। उन सारे पत्थरों को अपने पास रख लें, जिसे लोग आप पर फेकते हैं और उन पत्थरों का प्रयोग एक मजबूत स्मारक बनाने में करे। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए उतार-चढ़ाव बहुत जरुरी हैं, क्योंकि ईसीजी में भी सीधी लाइन का मतलब होता है कि हम जिंदा नहीं

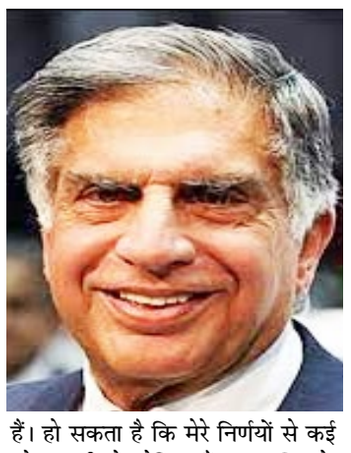

हैं। हो सकता है कि मेरे निर्णयों से कई लोग दुःखी हो; लेकिन मैं उस व्यक्ति के रूप में पहचाना-जाना चाहता हूं जिसने कभी किसी भी परिस्थिति में सही काम को सही ढ़ग से करने के लिए समझौता नहीं किया। सत्ता और धन मेरे दो प्रमुख सिद्धांत नहीं हैं। ऐसी कई चीजें हैं, जो अगर मुझे दोबारा जीने के मौका मिले तो शायद मैं अलग ढंग से करूंगा। लेकिन मैं पीछे मुड़कर ये नहीं देखना चाहूंगा कि मैं क्या नहीं कर पाया। मैं हमेशा भारत के भविष्य की क्षमता के बारे में बहुत उत्साहित और विश्वस्त रहा हूं; मेरा मानना है कि यह महान क्षमताओं वाला एक महान देश है। दूसरों की नकल करने वाले व्यक्ति थोड़े समय के लिए सफलता तो प्राप्त कर सकते है; परंतु जीवन में बहुत आगे नहीं बढ़ सकते है। मैं लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार कहता हूं कि प्रश्न पूछें, नए विचारों पर बात करें, नई तकनीक और नए आईडिया के बारें बेझिझक आगे आएं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सच्चा पराक्रम और त्याग किसी भी बाधा को पार कर सकता है

लक्ष्मण जी की यह कथा अद्वितीय त्याग अपार शक्ति और उनके अटूट समर्पण का प्रतीक है। यह न केवल पौराणिक महत्व रखती है, बल्कि एक प्रेरणा भी है कि जब संकल्प मजबूत हो तो असंभव भी संभव हो जाता है। आइए इस कथा को विस्तार से समझते हैं। जब भगवान श्रीराम माता सीता और लक्ष्मण जी 14 वर्षों के वनवास पर गए तो लक्ष्मण जी ने यह निश्चय किया कि वे अपने बड़े भाई और भाभी की हर स्थिति में रक्षा करेंगे। लेकिन यह साधारण कार्य नहीं था, क्योंकि वन के खतरों से दिन-रात सतर्क रहना अनिवार्य था। उन्होंने नींद की देवी निद्रा का आह्वान किया और उनसे विनती की-हे देवी मुझे यह वरदान दीजिए कि मैं 14 वर्षों तक एक पल के लिए भी न सोऊं। मुझे अपने भाई और माता सीता की सेवा और रक्षा के लिए सदैव जागृत रहना है।

निद्रा देवी उनकी भक्ति और समर्पण से प्रभावित हुईं। उन्होंने लक्ष्मण जी को यह वरदान दिया और कहा कि हे लक्ष्मण मैं तुम्हारी यह इच्छा पूरी करती हूं, लेकिन इस वरदान के कारण जो नींद तुम्हें नहीं आएगी। वह किसी और को लेनी होगी।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक। मो. नं. 9425980556

लक्ष्मण जी की पत्नी उर्मिला ने अपनी सहमति दी और कहा कि मैं इस तपस्या में तुम्हारे साथ हूं। मैं 14 वर्षों तक तुम्हारे हिस्से की नींद ले लूंगी, ताकि तुम निश्चिंत होकर अपनी जिम्मेदारी निभा सको। यह उर्मिला जी के त्याग और प्रेम का प्रतीक है जो उन्हें भी अमर कर देता है। लंका के महायुद्ध में रावण का पुत्र इंद्रजीत मेघनाद सबसे शक्तिशाली योद्धा था। उसे ऐसा वरदान प्राप्त था कि उसे केवल वही योद्धा मार सकता था जो 14 वर्षों तक जागा रहा हो। इंद्रजीत को देवताओं ने मेघनाद नाम दिया था, क्योंकि उसने स्वर्ग पर विजय प्राप्त की थी। इंद्रजीत की मायावी शक्तियां और अजेय होने का अभिमान रावण की सेना के लिए सबसे बड़ा सहारा था। जब इंद्रजीत ने युद्धभूमि में राम और लक्ष्मण पर ब्रह्मास्त्र चलाया और उन्हें बेहोश कर दिया तो सभी देवता चिंतित हो उठे। तभी हनुमान जी ने संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण जी को पुनः जीवित किया। अब युद्ध का सबसे निर्णायक पल आ चुका था। इंद्रजीत ने अपनी मायावी शक्तियों से युद्धभूमि को धुएं और अंधकार से भर दिया। वह अदृश्य होकर युद्ध करता था, लेकिन लक्ष्मण जी के अपार धैर्य और दिव्य दृष्टि के सामने उसकी हर चाल विफल हो गई।

लक्ष्मण जी ने इंद्रजीत को युद्धभूमि में चुनौती दी। वे जानते थे कि इंद्रजीत को हराना आसान नहीं होगा। जब इंद्रजीत ने अपना सबसे बड़ा अस्त्र चलाया तो लक्ष्मण जी ने भगवान श्रीराम का ध्यान करते हुए अपने बाण से उसे काट दिया।

फिर लक्ष्मण जी ने इंद्रजीत का वध किया और यह सिद्ध कर दिया कि वे न केवल कर्तव्य के प्रति समर्पित हैं। इस वध के साथ यह भविष्यवाणी भी पूर्ण हुई कि इंद्रजीत को केवल वही व्यक्ति मार सकता है जो 14 वर्षों तक न सोया हो। लक्ष्मण जी ने अपने त्याग और तपस्या से यह सामर्थ्य अर्जित की थी। लक्ष्मण जी की यह कथा हमें सिखाती है कि जब आप किसी कार्य को पूरे समर्पण और संकल्प के साथ करते हैं, तो ब्रह्मांड भी आपकी सहायता करता है। उनका नींद त्यागना उर्मिला जी का त्याग और इंद्रजीत जैसे मायावी योद्धा का वध यह सब यह दर्शाता है कि सच्चा पराक्रम और त्याग किसी भी बाधा को पार कर सकता है।

सक्सेस मंत्र

आपकी सोच पर निर्भर करती है जीवन में जीत और हार

एक शहर में राहुल नाम का एक लड़का रहता था जो जीवन में हार मान चुका था। वह जिंदगी में जो कुछ भी करता था, उसको अपनी हार पहले ही नजर आ जाती थी। स्कूल में अध्यापक और अन्य विद्यार्थी भी उसकी मजाक उड़ाते थे। वह अंधेरे कमरे में अक्सर रोता रहता था। एक दिन उसकी सिसकियां सुनकर एक अंधा आदमी उसके पास आया और पूछा, 'तुम क्यों रो रहे हो'। राहुल ने उस आदमी को सारी बात बताई। यह सुनकर वह आदमी जोर से हंसा और बोला, तुम्हें पता है, 'जब मैं पैदा हुआ और लोगों ने देखा कि इस बच्चे की तो आंखें ही नहीं है, तो उन्होंने मेरे माता-पिता को मुझे मार देने की सलाह दी'। लेकिन मेरे माता-पिता ने उन लोगों की सलाह नहीं मानी। उन्होंने मुझे एक विशेष स्कूल में भेजा और मुझे पढ़ाया-लिखाया। जब मैं कॉलेज में एडमिशन लेने गया तो कॉलेज प्रशासन ने मेरा एडमिशन करने से मना कर दिया। फिर मैंने विदेशी विश्वविद्यालय का फॉर्म भरा और एमआईटी की स्कॉलरशिप पर ग्रैजुएशन और पोस्ट ग्रैजुएशन की डिग्री ली। लेकिन जब मैं वापस आया तो फिर मुझे महसूस हुआ कि नेत्रहीन होने के कारण मुझे कोई नौकरी नहीं देना चाहता। फिर मैंने अपनी कंपनी शुरू की। इसलिए नहीं कि मेरे पास बहुत पैसा था या मेरे पास कोई अनोखा आईडिया था। मैंने कंपनी इसलिए शुरू की क्योंकि मेरे पास और कोई चारा ही नहीं था। लेकिन आज मुझे खुशी है कि आज मैं अपनी कंपनी के जरिए मेरे जैसे 5000 लोगों को नौकरी दे पाया हूं। आदमी की बात को सुनकर राहुल ने पूछा आप की कहानी से मेरा क्या वास्ता? वह आदमी बोला, जैसे आज लोग तुम्हारी हंसी उड़ाते हैं, वैसे ही जिंदगी भर लोगों ने मेरी भी निंदा की, मेरा भी मजाक उड़ाया। लेकिन मैंने खुद को कभी कमजोर नहीं समझा। जब दुनिया मुझे नीची नजरों से देखती थी और यह कहती थी कि तुम जिंदगी में कुछ नहीं कर सकते। तब मैं उनकी आंखों में आंखें डाल कर बोलता था कि मैं कुछ भी कर सकता हूं। जैसे मैंने इतना सब कुछ किया वैसे ही तुम भी बहुत कुछ कर सकते हो। इसलिए हिम्मत मत हारो। दुनिया क्या कहती है, इस बात की परवाह मत करो।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

मुंबई महानगरपालिका बनाएगी स्टार होटल

राजस्व बढ़ाने का प्रयास

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालि (Mumbai Municipal Corporation) ने दहिसर में जकात नाका (Zakat Naka) की जगह पर एक परिवहन (Transport) और व्यापार केंद्र (Business Centre) बनाने का निर्णय लिया है और इसके तहत महानगरपालि की ओर से एक स्टार होटल (Star Hotels) का निर्माण किया जाएगा। यह 131 कमरों वाला एक स्टार होटल होगा। इसके अलावा इस होटल के साथ ही व्यावसायिक इकाइयां (Commercial Units) स्थापित कर और व्यावसायिक इकाइयों और कार्यालयों को किराये पर देकर महानगरपालि का राजस्व (Revenue) बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस पर करीब दो हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। महानगरपालि द्वारा लगाए गए जकात टैक्स खत्म होने के बाद सभी जकात नाकों को बंद कर दिया गया है। इसलिए, महानगरपालि ने इन टोल बूथों के स्थानों का उपयोग करने की दृष्टि से परिवहन और व्यावसायिक केंद्र बनाने का निर्णय लिया है। इसके अनुसार, दहिसर में जकात स्टेशनों की साइट पर इस परिवहन और वाणिज्यिक केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। दहिसर में इस जगह का क्षेत्रफल लगभग 18600 वर्ग मीटर है और नई विकास योजना के अनुसार इस पर ट्रक टर्मिनस का आरक्षण है। इससे पहले, महानगरपालि ने टोल बूथ की साइट पर परिवहन और व्यापार केंद्र स्थापित करने के लिए सोविल लिमिटेड और संयुक्त उद्यम आर्किटेक्चरल फर्म आरकॉम को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया था।

महानगरपालि को राजस्व मिलेगा

अधिकारियों के अनुसार, साइट का उपयोग बस टर्मिनस के साथ-साथ ट्रक टर्मिनस के रूप में किया जाएगा और इसे स्टार होटलों और वाणिज्यिक ब्लॉकों और कार्यालयों के वितरण के साथ पट्टे पर दिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इससे महानगरपालि को राजस्व मिलेगा।

131 कमरों वाला एक स्टार होटल होगा

सलाहकार द्वारा तैयार किए गए प्लान के अनुसार, इसमें 19 मंजिला इमारत और एक स्टार होटल की इमारत शामिल है। महानगरपालि के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, बिल्डिंग नंबर 1 और 2 में कुल 456 बस पार्किंग, 1424 मोटर वाहन पार्किंग आदि हैं। इस प्रकार कुल 131 कमरों का स्टार होटल होगा। यह कार्य दो चरणों में किया जाएगा। बस टर्मिनल और पार्किंग क्षेत्र, प्लाजा क्षेत्र, वाणिज्यिक कार्यालय क्षेत्र, होटल क्षेत्र, खुदरा वाणिज्यिक क्षेत्र आदि शामिल हैं और इन सभी परियोजना कार्यों के लिए विभिन्न करों के साथ 2000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन कार्यों के लिए न्याति इंजीनियर्स एंड कंसल्टेंट्स कंपनी का चयन किया गया है।

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका द्वारा रात्रि विशेष सफाई अभियान

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

वर्तमान में हर जगह व्याप्त धूल प्रदूषण की समस्या को कम करने के उद्देश्य से महानगरपालिका आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ के निर्देशन में पिछले महीने से रात 10 बजे से सुबह 3 बजे तक महानगरपालिका क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। यह विशेष सफाई अभियान 4 पॉवर स्वीपिंग मशीनों, 200 कर्मचारियों की मदद से चलाया जा रहा है। रात में गहन सफाई तथा सुबह महानगरपालिका के सफाई कर्मचारियों द्वारा कचरा संग्रहण की योजना बनाई गई है। महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड़ ने बताया कि प्रत्येक पॉवर स्वीपिंग मशीन के पीछे 50 कर्मचारियों की टीम रखकर गहन सफाई की जा रही है। इन पॉवर स्वीपिंग मशीनों की धूल संग्रहण क्षमता लगभग 3 टन है तथा मशीन द्वारा सड़क से धूल उड़ने से रोकने के लिए वाटर स्प्रिंकलर लगे हुए हैं। साथ ही सड़क के डिवाइडर को धोने के लिए हाई प्रेशर जेट स्प्रे की व्यवस्था की गई है। यह मशीन सक्शन के सिद्धांत पर आधारित है और सड़क से धूल और मिट्टी को सक्शन सिस्टम के माध्यम से सोखकर मशीन के पिछले टैंक में एकत्र किया जाता है। इन गाड़ियों को केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत खरीदा गया है और चूंकि उक्त पावर स्वीपिंग मशीन सीएनजी से चलती है, इसलिए धुएं से होने वाले प्रदूषण से बचा जा सकता है।

अश्विनी वैष्णव ने 69वें रेलवे सप्ताह समारोह में वरिष्ठ मंडल अभियंता को किया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

21 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित 69वें रेलवे सप्ताह ₹अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार₹ समारोह में माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भुसावल मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण), राहुल अग्रवाल को सम्मानित किया।

भुसावल मंडल के सीनियर डीईएन राहुल अग्रवाल को मिला अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

यातायात क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि

राहुल अग्रवाल ने सीनियर डीईएन साउथ सेक्शन में 15 महीनों के भीतर 11 यार्ड्स में यातायात सुविधा कार्यों को पूरा कर सेक्शन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की। इन कार्यों में लूप लाइनों की लंबाई बढ़ाने के साथ-साथ टीडब्ल्यूएस सम्मिलन, गहरे स्क्रीन वाले क्षेत्र में क्रॉस ओवर पॉइंट्स की शिफ्टिंग, दोषपूर्ण लेआउट हटाने और टर्नआउट का पूर्ण स्लीपर नवीनीकरण शामिल है।

योजना और निष्पादन का उत्कृष्ट प्रदर्शन

सभी कार्य सामग्री नियोजन, डीसीएन तैयारी, दस्तावेज अनुमोदन, सीआरएस मंजूरी, और निष्पादन के दौरान विभिन्न विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय में किए गए। इससे यातायात पर न्यूनतम प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और ब्लॉक फटने की कोई घटना नहीं हुई।

नासिक स्टेशन का सौंदर्य और उपयोगिता में सुधार

नासिक स्टेशन का फेसलिफ्ट केवल 45 दिनों में बहुत कम लागत पर किया गया, जिससे स्टेशन के समग्र सौंदर्य और यातायात प्रवाह में सुधार हुआ। इस उत्कृष्ट डिजाइन और कार्य को यात्रियों और मीडिया ने भी सराहा।

अन्य प्रमुख उपलब्धियां

एमएमआर सिक लाइन का 6 महीनों में पूर्ण कार्य: इसने बीएसएल डिवीजन को एनएमजी के आईओएच की संख्या बढ़ाने में सहायता की। टीआरटी मशीन द्वारा रिकॉर्ड प्रदर्शन: 3 घंटे के ब्लॉक में 1100 स्लीपरों का टीएसआर/पी भारतीय रेलवे में सबसे तेज़। पीएनवी और एमएमआर यार्ड्स में डीप स्क्रीनिंग: क्रॉस ओवर पॉइंट्स की डीप स्क्रीनिंग से संचालन की गुणवत्ता में सुधार। 2023-24 वित्त वर्ष में 95 टीडब्ल्यूएस बिछाई गईं। राहुल अग्रवाल की इन उपलब्धियों ने भारतीय रेलवे में उत्कृष्टता की नई मिसाल कायम की है।

रविवार को मध्य रेल पर मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल, मुंबई डिवीजन 29 दिसंबर 2024 को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों को पूरा करने के लिए अपने उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक संचालित करेगा। ब्लॉक की अवधि में यात्रियों को असुविधा हो सकती है, और रेलवे प्रशासन ने इस दौरान वैकल्पिक व्यवस्था की है। नीचे में ब्लॉक की पूरी जानकारी दी जा रही है:

सीएसएमटी मुंबई और विद्याविहार के बीच अप और डाउन स्लो लाइन

समय: सुबह 10.55 बजे से दोपहर 3.25 बजे तक

सीएसएमटी मुंबई से सुबह 10.48 बजे से दोपहर 3.18 बजे तक छूटने वाली डाउन स्लो सेवाएं सीएसएमटी मुंबई और विद्याविहार के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी। ये सेवाएं भायखला, परेल, दादर, माटुंगा, सायन और कुर्ला स्टेशनों पर रुकेंगी और फिर विद्याविहार पर डाउन स्लो लाइन पर वापस आएंगी। घाटकोपर से सुबह 10.19 बजे से दोपहर 3.19 बजे तक छूटने वाली अप स्लो सेवाएं विद्याविहार और सीएसएमटी मुंबई के बीच अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी, जो कुर्ला, सायन, माटुंगा, दादर, परेल और भायखला पर रुकेंगी।

पनवेल और वाशी स्टेशनों के बीच अप और डाउन हार्बर लाइनें

समय: सुबह 11.05 बजे से शाम 04.05 बजे तक

पनवेल से सीएसएमटी की ओर छूटने वाली अप हार्बर लाइन सेवाएं सुबह 10.33 बजे से दोपहर 3.49 बजे तक रद्द रहेंगी। पनवेल/बेलापुर से सीएसएमटी की ओर छूटने वाली डाउन हार्बर लाइन सेवाएं सुबह 9.45 बजे से दोपहर 3.12 बजे तक रद्द रहेंगी।

ट्रांस हार्बर लाइन ब्लॉक सेक्शन

अप ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएं पनवेल से सुबह 11.02 बजे से दोपहर 3.53 बजे तक रद्द रहेंगी। डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएं ठाणे की ओर जाने वाली पनवेल से सुबह 10.01 बजे से दोपहर 3.20 बजे तक रद्द रहेंगी।

31 दिसंबर को पूरी रात पार्टी करने की छूट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नए साल के जश्न के दौरान लोगों को फुल नाइट पार्टी करने की छूट सरकार ने प्रदान कर दी है। 31 दिसंबर की रात फुल नाइट पार्टी के दौरान किसी भी प्रकार का खलल रोकने का प्लान होटल असोसिएशन ने तैयार कर लिया है। जश्न के दौरान लोगों के पैर लड़खड़ाने से पहले असोसिएशन ने ग्राहकों को सावधान करने का निर्णय लिया है। इसके लिए होटल असोसिएशन ने ग्राहकों को चार लार्ज पैग देने के बाद ग्राहकों अलर्ट करके फैसला लिया है, जिससे शराब के नशे में पार्टी के दौरान या पार्टी से घर लौटे वक्त ग्राहकों से कोई गलती न हो जाए। होटल एंड रेस्टॉरेंट असोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया (एचआरएडब्ल्यूआई) के सचिव प्रदीप शेट्टी के मुताबिक, 31 दिसंबर की पार्टी के संदर्भ में लिए गए फैसले की जानकारी सभी सदस्यों को दे दी गई है। ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी निर्णय लिए गए हैं। चार पैग पीने के बाद ग्राहकों के टल्ली होने पर होटल मालिकों को ग्राहकों को सुरक्षित घर पहुंचाने की व्यवस्था करने को कहा गया है।

हादसों के बाद लेना पड़ा ऐसा फैसला

कुछ महीने पहले पुणे में एक होटल में तय उम्र की सीमा से कम आयु के युवा को शराब परोसने का मामला सामने आया था। शराब के नशे में तेज रफ्तार से कार चलाते हुए युवा ने दो लोगों को टक्कर मार दी थी। नामी परिवार से होने और परिवार द्वारा कार चालक को बचाने के प्रयास के कारण यह केस पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था। 31 दिसंबर की रात बहुत से लोग शराब पीकर जश्न मनाते हैं। इस वजह से असोसिएशन शराब परोसते वक्त आयु की जांच करने के लिए आई कार्ड चेक करने और शराब पी चुके लोगों के लिए किराए का ड्राइवर मुहैया कराने की योजना बनाई है।

चेक होगी आईडी

नए साल का स्वागत करने के लिए मुंबई के कई होटलों में बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस साल कम उम्र के ग्राहकों को शराब परोसने और होटल से बाहर निकलने के बाद ग्राहक द्वारा एक्सिडेंट करने का मामला सामने आने के बाद असोसिएशन अधिक सतर्क हो गया है। शेट्टी के अनुसार, पार्टी के लिए बार टेंडर को विशेष तौर पर प्रशिक्षित किया गया है।

किराए पर ड्राइवर

एचआरएडब्ल्यूआई के पूर्व अध्यक्ष कमलेश बरोट के अनुसार, पार्टी के दौरान ग्राहकों को शराब परोसने के साथ ही उन पर नजर भी रखी जाएगी। ग्राहकों को सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए होटल की तरफ से गाड़ी मालिकों को किराये पर ड्राइव उपलब्ध करवाया जाएगा। वहीं, जिन ग्राहकों के पास गाड़ी नहीं है उन्हें ओला-उबर बुक कर घर भेजा जाएगा।

भारत के पहले कृषिमंत्री डॉ. पंजाबराव देशमुख की जयंती के अवसर पर महापालिका मुख्यालय में उप आयुक्त अवधुत तावडे ने डॉ. पंजाबराव देशमुख की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर अभिवादन किया। इस अवसर पर उप आयुक्त अतुल पाटील, महापालिका सचिव किशोर शेलके, सूचना व जनसंपर्क अधिकारी माधवी पोफले, सहायक सुरक्षा अधिकारी सुरेश पवार और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे पर 29 दिसंबर को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

28/29 दिसंबर की मध्यरात्रि को लोअर परेल में 5 घंटे का मेजर ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे के लोअर परेल स्टेशन पर शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि (28/29 दिसंबर, 2024) को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) पैनल की कमीशनिंग के लिए एक मेजर नॉन-इंटरलॉकिंग (NI) ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर रात 11:30 बजे से सुबह 4:30 बजे तक, कुल 5 घंटे का रहेगा।

फास्ट लाइनों की ट्रेनों पर प्रभाव

ब्लॉक अवधि के दौरान, सभी फास्ट लाइन की ट्रेनें मुंबई सेंट्रल और माहिम स्टेशनों के बीच धीमी लाइनों पर चलाई जाएंगी। इसके साथ ही, कुछ अप और डाउन लोकल ट्रेनें निरस्त रहेंगी।

यात्रियों के लिए सूचना

यात्रियों को सूचित किया गया है कि ब्लॉक के कारण प्रभावित ट्रेनों की विस्तृत जानकारी उपनगरीय खंड के सभी स्टेशनों पर उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रियों से अनुरोध है कि अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखें। रविवार, 29 दिसंबर को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं होगा ब्लॉक की योजना के तहत, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 29 दिसंबर, 2024 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रखा जाएगा।

महाराष्ट्र राज्य विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एमएसईटीसीएल) के जनसंपर्क विभाग को पूर्व लोकसभा सदस्य डा. नंदकुमार साय के हाथों पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) द्वारा स्थापित दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। पुरस्कार एमएसईटीसीएल के पीआरओ डा. मिलिंद आवताडे ने प्राप्त किए। साथ में पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजीत पाठक, सचिव डा. पी एल के मूर्ति, डा. यू.एस. शर्मा, डा. समीर गोस्वामी, रायपुर चैप्टर के अध्यक्ष डा. शाहिद अली और अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

वृष संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ोत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। परिवार की समस्याओं को अनदेखा न करें।

मिथुन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं।

कर्क भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी।

सिंह वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें।

कन्या बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें।

तुला दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें। समय ठीक नहीं है।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

मकर नए अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें।

कुंभ भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी।

मीन धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अतः उसका परित्याग करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

जन्मकुंडली में वक्री गुरु का प्रभाव

भाग-1

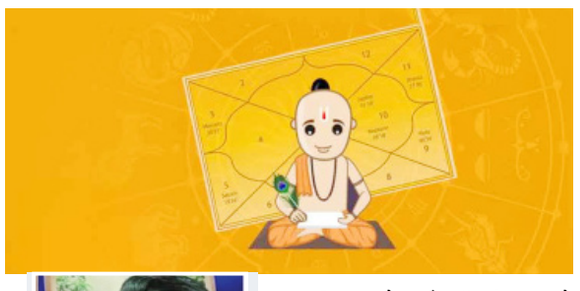

प्रियंका जैन
9769994439

किसी जातक की जन्म कुंडली में यदि बृहस्पति वक्री है तो समझिये उसकी किस्मत के द्वार खुले हुए हैं। वक्री बृहस्पति वाले जातक उन कार्यों में भी सफल हो जाते हैं जिनमें दूसरे लोग असफल हो जाते हैं। ऐसे लोग उस जगह से कार्य प्रारंभ करते हैं जहां अन्य लोग निराश होकर काम बंद कर देते हैं। वक्री बृहस्पति वाले जातकों में कार्य करने की अद्भुत क्षमता और सामर्थ्य होती है। वक्री बृहस्पति जातक को राजा भी बना सकता है। जातक यदि किसी बंद प्रोजेक्ट में भी हाथ डालें तो वह दोगुनी गति से प्रारंभ हो जाता है और उन्हें अपार लाभ देता है। अन्य शुभ ग्रहों का साथ मिले तो वक्री बृहस्पति जातक को राजा भी बना सकता है। वक्री बृहस्पति जिन लोगों की कुंडली में होता है वे दूरदर्शी और लोगों को साथ लेकर चलने वाले होते हैं। ऐसे लोग पहले से भांप जाते हैं कि भविष्य में उन्हें कौन व्यक्ति लाभ देगा और किससे धोखा मिल सकता है। किसी के लिए यह शुभ और किसी के लिए मिश्रित फल इसलिए वे पहले से सचेत होकर उसी के अनुसार आगे बढ़ते हैं। वक्री बृहस्पति का अलग-अलग भावों में अलग-अलग परिणाम होता है। किसी भाव के लिए यह शुभ और किसी के लिए मिश्रित फल देने वाला होता है।

लग्न स्थान में वक्री गुरु

प्रथम भावः बृहस्पति प्रथम भाव यानि की लग्न स्थान में वक्री हो तो व्यक्ति विद्वान और विशेष सम्मानित होता है। स्वस्थ और सुंदर शरीर का मालिक होता है। सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति बहुत सम्मान प्राप्त करता है, लेकिन दूसरी ओर कई मामलों में सही न्याय करने से चूक जाता है। अपने प्रिय के प्रति पक्षपाती हो जाता है और दूसरों के प्रति ईमानदारी नहीं बरत पाता।

द्वितीय भाव:

वक्री बृहस्पति द्वितीय भाव में है तो व्यक्ति लापरवाही पूर्ण खर्च करता है। पैतृक संपत्ति प्राप्त होती है इसलिए वह उसका महत्व नहीं समझ पाता और अंधाधुंध खर्च करता है। यदि द्वितीय भाव में वक्री बृहस्पति के साथ शुक्र हो तो व्यक्ति आलीशान जीवनशैली, लग्जरी घर और आभूषणों का शौकीन होता है। बोलने में कुशल, वाकपटु, दानी और उदार होता है। पत्नी से सुख मिलता है।

तृतीय भाव :

जिन जातक की कुंडली के तीसरे घर में वक्री बृहस्पति हों तो उसका मिलाजुला प्रभाव समझना चाहिए। व्यक्ति स्वयं के प्रयासों से उच्च पदों तक पहुंचता है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रारंभ में लापरवाह किंतु बाद में उच्च स्तर तक पहुंचता है। धन संचय भी खूब करता है, लेकिन अत्यधिक धन और उच्च पद पर पहुंचते ही ये अहंकारी हो जाते हैं और दूसरों का अपमान करते हैं। अन्यायी हो जाते हैं।

क्रमशः

खबर संक्षेप

नए साल को लेकर होटल संचालकों से साथ पुलिस की बैठक, दिए गए निर्देश

वाराणसी। नए साल को देखते हुए सारनाथ क्षेत्र के होटल गेस्ट हाउस पेइंग गेस्ट हाउस लॉन संचालकों के साथ सारनाथ थाना प्रभारी उप निरीक्षक विवेक कुमार त्रिपाठी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक किया, बैठक में आने वाले नए साल के मद्देनजर होटल में डीजे व लेट नाइट पार्टी नहीं करने की बात कही गई बिना आईडी कार्ड के कमरा नहीं देना है। रात दस बजे के बाद किसी प्रकार के म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट नहीं बजाना है। इस बैठक में सारनाथ क्षेत्र के गंज,हवेलियां,पहड़िया,अखथा, पंचकोसी,के होटल संचालक उपस्थित थे। इस दौरान उप निरक्षक संगीता, हेडकॉस्टलबल अवनींद्र मिश्रा मौजूद रहे।

मुरहू के पांडू घाट से होगा बालू का उठाव

मुरहू। बालू की वैध उपलब्धता सुनिश्चित करने और अवैध खनन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने झारखंड राज्य खनिज विकास निगम अंतर्गत संचालित मुरहू प्रखंड स्थित पांडू बालू घाट का शुक्रवार को शुभारंभ किया। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने कहा कि बालू वैध रूप से लोगों को मिले इसके लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि यह कदम जिले में निर्माण कार्यों को सुगम बनाने और पर्यावरण संतुलन बनाये रखने में सहायक होगा।। उन्होंने लोगों से अधिकृत घाटों से ही बालू खरीदने की अपील की। उल्लेखनीय है कि खूंटी जिला में झारखंड राज्य खनिज विकास निगम से संचालित डोड़मा व पांडू बालू स्टॉक यार्ड से बालू खरीदी जा सकती है।

संसद के पास खुद को आग लगाने वाले युवक की मौत

बागपत/नई दिल्ली। बीते बुधवार को दिल्ली के संसद भवन के पास एक व्यक्ति ने खुद को आग के हवाले कर दिया था। बुरी तरह से झुलसे व्यक्ति की आज अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बागपत का रहने वाला था। मृतक युवक का नाम जितेंद्र है। बुधवार को युवक द्वारा खुद को आग लगाने के बाद कुछ राहगीरों ने आग बुझाई थी। इसके बाद युवक को अस्पताल पहुंचाया गया था। अब जितेंद्र दुनिया में नहीं रहा। बागपत का रहने वाला जितेंद्र बुधवार को दिल्ली पहुंचा था। इस दौरान वो पेट्रोल की एक बोतल लेकर संसद भवन के पास में स्थित रेल भवन के पास पहुंचा। यहां थोड़ी देर इधर-उधर घूमने के बाद अचान जितेंद्र ने पेट्रोल की बोतल निकाली और खुद के ऊपर उड़ेल ली।

पंजाब के बठिंडा में दर्दनाक हादसा

नाले में गिरी प्राइवेट बस

8 लोगों की मौत, 18 घायल

एजेंसी । बठिंडा

पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को एक दर्दनाक बस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। यह हादसा जीवन सिंह वाला गांव के पास हुआ। एक प्राइवेट बस तलवंडी साबो से बठिंडा शहर जा रही थी, तभी पुल से टकराकर नाले में गिर गई। हादसे के समय बारिश हो रही थी। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 18 घायल यात्रियों का शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। NDRF, पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य जारी है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हुई है।

सिविल अस्पताल में घायलों का हो रहा है इलाज

बठिंडा के शहरी विधायक जगरूप सिंह गिल ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। गिल ने बताया कि बठिंडा के सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप सिंगला ने उन्हें हादसे की जानकारी दी। विधायक गिल ने घायलों का हाल जानने के लिए शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल का दौरा किया। गिल ने बताया कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। लगभग 18 लोगों का शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों को इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

हादसे के वक्त हो रही थी बारिश

हादसा जीवन सिंह वाला गांव के पास हुआ। प्राइवेट बस तलवंडी साबो से बठिंडा शहर जा रही थी। अचानक बस फिसल गई और नाले में गिर गई। बचाव कार्य की निगरानी के लिए शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। जिला प्रशासन ने अभी तक मृतकों की पहचान की पुष्टि नहीं की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस पुल की रेलिंग तोड़कर गंदे नाले में गिर गई। जिला अधिकारियों ने बताया कि हादसे के वक़्त बठिंडा में बारिश हो रही थी। हादसे के कारणों की जांच की जाएगी।

बेसिक शिक्षा परिषद में शिक्षकों का होगा तबादला

लंबे समय से कर रहे थे मांग

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद में शिक्षकों के तबादले का आदेश आ गया है। शासन ने आदेश जारी करके तबादले की अनुमति दे दी है। शिक्षक जिले के अंदर परस्पर तबादले की काफी लंबे समय से मांग कर रहे थे। इसी आधार पर परिषद जल्द विस्तृत कार्यक्रम जारी करेगा।

प्राथमिक विद्यालयों के लिए यह नियम

प्राथमिक विद्यालयों में तैनात शिक्षकों के लिए विषयवार वर्गीकरण नहीं किया जाता है। इसलिए अन्त: जनपदीय पारस्परिक स्थानांतरण के लिए प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मध्य भाषा/विज्ञान/गणित की बाध्यता नहीं होगी।

उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए यह नियम

वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विषयवार वर्गीकरण होता है। इस कारण विषयवार शिक्षकों की तैनाती की जाती है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विषयवार शिक्षक होने एवं शिक्षक की कुशलता के कारण समान विषय हेतु समान विषय वाले शिक्षकों की उपलब्धता आवश्यक है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तैनात शिक्षकों के अन्त : जनपदीय पारस्परिक स्थानांतरण के लिए समान पद एवं समान विषय होने के स्थिति में ही ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

पुल निर्माण कार्य में लगे मुंशी की गला रेत कर हत्या

लेवी न देने की वजह से दिया गया घटना अंजाम

लातेहार। लातेहार में पुल निर्माण कार्य के लगे मुंशी बाल गोविंद साव (उम्र 55 वर्ष) की गला रेत कर हत्या कर दी गई। मृतक कुलगाला रिचूगुट्टा गांव का रहने वाला था। चंदवा और लातेहार के सीमान पर स्थित ओरगा नदी पर ही पुल निर्माण कार्य चल रहा था। जिसे पूरा करने का जिम्मा नीलम कंस्ट्रक्शन (प्रतापपुर) को मिला था। हत्या का कारण लेवी न देने को बताया जा रहा है।

पुलिस ने घटनास्थल से बरामद किया पर्चा

जानकारी के मुताबिक पुल का निर्माण कार्य चलने की वजह से मृतक बाल गोविंद साव उसी जगह पर रहता था। रात्रि के बेला में वह गार्ड के तौर पर काम करता था। गुरुवार की रात करीब 9:00 बजे अज्ञात अपराधी निर्माण कार्य स्थल पर पहुंचे और धारदार हथियार से उसके सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से एक पर्चा भी बरामद किया है। इसके मुताबिक झारखंड संघर्ष जन्म मुक्ति मोर्चा नाम के एक संगठन ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। लेवी नहीं देने की वजह से घटना को अंजाम दिया गया है। निवेदक में प्रदीप सिंह नामक किसी व्यक्ति का नाम लिखा हुआ है।

पुलिस कर रही है मामले की छानबीन

फिलहाल लातेहार पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। थाना प्रभारी ने इस बाबत जानकारी दी है कि प्रथम दृष्टया लेवी न देना मुंशी की हत्या वजह लगती है। वहां कार्यरत मजदूरों से बातचीत कर घटना के तह तक जानने की कोशिश की गयी। हालांकि उनका दावा है कि हत्याकांड में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी जल्द होगी।

अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के बीच BPSC का बड़ा ऐलान

किसी भी हाल में रद्द नहीं होगी परीक्षा

पटना। बिहार लोक सेवा आयोगी की 70 वीं संयुक्त परीक्षा में धांधली का आरोप लगा अभ्यर्थी जहां पूरी परीक्षा को ही रद्द करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, आयोग ने भी इस मुद्दे पर आमने-सामने आ गया है। शुक्रवार को एक निजी न्यूज चैनल से बात करते हुए बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि संयुक्त परीक्षा किसी भी सूरत में रद्द नहीं की जाएगी।

अप्रैल में होगी मेंस परीक्षा: BPSC

अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के बीच बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आयोग किसी भी हाल में बीपीएससी की प्रारंभीक 70वीं संयुक्त परीक्षा को रद्द नहीं करने जा रहा है। इसी दौरान उन्होंने पीटी के मेंस परीक्षा की तारीखों का भी ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि 70वीं बीपीएससी की संयुक्त परीक्षा का मेंस एग्जाम अप्रैल में होगा। अभ्यर्थी धरना प्रदर्शन को छोड़कर मेंस की तैयारी करें।

पटना में ट्रेन से कटकर दो युवकों की मौत

ट्रैक पार करने के दौरान हुआ हादसा

पटना। पटना जिला के रूपसपुर थाना क्षेत्र में ट्रेन से कटकर बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान जलालपुर मुसहरी निवासी हीरालाल और गोपाल कुमार के रूप में हुई है। दोनों युवक रिश्ते में चाचा भतीजा लगते थे। परिजनों ने बताया कि चाचा हीरा लाल और भतीजा गोपाल बर्थडे पार्टी कर बाइक से घर लौट रहे थे। रेलवे क्रॉसिंग पार करने के दौरान उनकी बाइक फंस गई, तब तक दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। घटना की जानकारी शुक्रवार की सुबह परिजनों को मिली।

शव की पहचान होते ही पहुंचे परिजन

शव मिलने की सूचना मिलते ही मुसहरी गांव में रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे। शव की पहचान होते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद इस बात की जानकारी रूपसपुर थाना को दिया गया। इसके साथ ही रेल पुलिस को भी जानकारी दी गई। वहीं रूपसपुर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, घटनास्थल पर मौजूद बाइक को पाटलिपुत्र रेलवे की जीआरपी टीम थाने में ले गई। मामले को लेकर रूपसपुर थाना अध्यक्ष रणविजय कुमार ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से दोनों युवकों की मौत हुई है। यूडी केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कोल्ड डायरिया का बढ़ा प्रकोप

केजरीवाल, एसकेएमसीएच और सदर अस्पताल में पहुंच रहे मरीज

मुजफ्फरपुर। तापमान में गिरावट के साथ जिले में कोल्ड डायरिया का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। बीते तीन दिनों में 500 से अधिक बच्चे इस बीमारी की चपेट में आए हैं। जिले के केजरीवाल अस्पताल में दो दिनों में 200 से अधिक बच्चे इस बीमारी को लेकर भर्ती हुए हैं। इसके अलावा सदर अस्पताल और एसकेएमसीएच में भी 300 से अधिक बच्चे भर्ती हुए। डॉक्टरों ने सभी का बीमारी के अनुसार इलाज करने के बाद स्थिति में सुधार देखकर घर भेज दिया। हालांकि, अधिकांश भर्ती बच्चों को कम से कम 24 घंटे तक डॉक्टरों की देखभाल में रखा गया।

व्यापार जगत

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

- 226.59 अंक उछला सेंसेक्स
- बीएसई सेंसेक्स के 19 शेयरों में तेजी
- एनएसई निफ्टी में 30 शेयरों में बढ़त
- एशिया के दूसरे बाजारों का हाल

एजेंसी । मुंबई

जनवरी सीरीज के पहले दिन शुक्रवार 27 दिसंबर 2024 को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ. कारोबार के आखिर में बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 226.59 या 0.29% की बढ़त के साथ 78,699.07 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 63.20 अंक या 0.27% उछलकर 23,813.40 अंक पर बंद हुआ।

बीएसई सेंसेक्स के 19 शेयरों में तेजी

शेयर बाजार के कारोबार के आखिर में बीएसई के सेंसेक्स में लिस्टेड 30 में से 19 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए. जिन कंपनियों के शेयरों में बढ़त बनी रही, उनमें महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, सनफार्मा, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी और आईटीसी प्रमुख रूप से शामिल हैं। जो शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, उनमें भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो और टाइटन शामिल हैं।

एनएसई निफ्टी में 30 शेयरों में बढ़त

एनएसई के निफ्टी 50 में 30 शेयर हरे निशान और 20 शेयर लाल निशान पर बंद हुए. लाभ में रहने वाले शेयरों में बजाज ऑटो, आयशर मोटर्स, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक और डॉ रेड्डी प्रमुख हैं। नुकसान में रहने वाले शेयरों में हिंडाल्को, भारतीय स्टेट बैंक, कोल इंडिया, ओएनजीसी और भारत इलेक्ट्रिक लिमिटेड शामिल हैं।

एशिया के दूसरे बाजारों का हाल

एशिया के दूसरे बाजारों की बात करें, तो जापान के निक्केई और चीन के शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि हांगकांग के हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार में सकारात्मक रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड 0.70 फीसदी बढ़कर 73.78 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अर्थूड सर्विसेज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी किया दाखिल

मुंबई/नई दिल्ली। गुरुग्राम स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड के 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 36 लाख इक्विटी शेयरों तक का नया इश्यू और प्रमोटर-सेलिंग शेयरधारकों के 42 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी के बिक्री प्रस्ताव में शेयरधारक डॉ. कविराज सिंह के 27.30 लाख इक्विटी शेयर और अशोक कुमार गौतम के 14.70 लाख इक्विटी शेयर हैं। गुरुग्राम स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड के आईपीओ प्रस्ताव में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। इस नए निर्गम से प्राप्त 30 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कंपनी बौद्धिक संपदा, समाधानों के विकास एवं व्यावसायीकरण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के माध्यम से तकनीकी क्षमताओं को मजबूत तथा वित्तपोषण आवश्यकताओं के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में स्थापित और डॉ. कविराज सिंह और अशोक कुमार गौतम द्वारा प्रवर्तित अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड कंपनी को ऊर्जा, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है। कंपनी के पास 23 वर्षों का अनुभव है। यह कंपनी भारत तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर ग्राहकों को पर्यावरण, सामाजिक तथा शासन रामर्श तथा आश्वासन सेवाएं प्रदान करती है।

न्यूज़ ब्रीफ

डॉ. अरुणीश चावला ने संभाला वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में सचिव पद

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएएस डॉ. अरुणीश चावला ने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव पद का कार्यभार संभाल लिया। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने बुधवार को एक अधिसूचना में डॉ. अरुणीश चावला को राजस्व सचिव नियुक्त किया। अधिसूचना के अनुसार नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक वह संस्कृति मंत्रालय के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।

चावला 1 नवंबर, 2023 से रसायन और उर्वरक मंत्रालय में फार्मास्यूटिकल्स विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बिहार कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी चावला ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे आर्थिक मामलों के विभाग के माध्यम से विदेशी कार्यभार पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में वरिष्ठ अर्थशास्त्री, वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास में मंत्री (आर्थिक) और वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

शेयर बाजार में लिस्टिंग के जरिए 6 कंपनियों की एंट्री

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज 6 कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें 5 कंपनियां के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही बढ़िया मुनाफा हुआ, वहीं एक कंपनी न्यू मलयालम स्टील लिमिटेड के निवेशकों को नुकसान का सामना भी करना पड़ा। आज लिस्ट होने वाली कंपनियों में से 5 मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि एक कंपनी एसएमई सेगमेंट की है। स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली कंपनियों में ममता मशीनरी लिमिटेड के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री हुई, जिसके कारण पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों का पैसा बढ़ कर ढाई गुना से अधिक हो गया।

आईपीओ के तहत कंपनी ने 243 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 146.91 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 600 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 630 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों पहले दिन ही 159.24 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।

सरकार ने हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को कोयला खदान आवंटन का आदेश जारी किया

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को ओडिशा स्थित मीनाक्षी कोयला खदान के लिए आवंटन आदेश जारी किया है। इस खदान की अधिकतम रेटिंग क्षमता 12 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है।

कोयला मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया गया कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मीनाक्षी कोयला खदान के लिए आदेश जारी किया गया है, जो 22 नवंबर, 2024 को कोयला खदान विकास और उत्पादन समझौते (सीएमडीपीए) पर हस्ताक्षर होने के बाद हुआ है। मीनाक्षी कोयला खदान खान और खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम (एमएमडीआर) के तहत खोजी गई खदान है, जिसमें 285.23 मिलियन टन का भूवैज्ञानिक भंडार शामिल है।

आर्थिक प्रभाव और रोजगार सृजन

मंत्रालय के अनुसार, मीनाक्षी कोयला खदान से इसकी अधिकतम क्षमता पर आधारित 1,152.84 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की संभावना है। इस खदान के विकास से लगभग 1,800 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश होगा, जो देश के कोयला उत्पादन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और ऊर्जा सुरक्षा में योगदान करेगा। इसके अलावा, मीनाक्षी कोयला खदान से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 16,224 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है, जिससे स्थानीय क्षेत्र में आर्थिक विकास होगा और आजीविका के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

ऊर्जा सुरक्षा और विकास में योगदान

कोयला मंत्रालय ने कहा कि यह पहल देश में कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय कुशल और जिम्मेदार कोयला खनन परिचालन के माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और देश के समग्र विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यूज़ ब्रीफ

एमसीसी ने सचिन को क्लब सदस्यता से सम्मानित किया

एजेंसी । मेलबर्न

मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने शुक्रवार को कहा कि महान भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने इस प्रतिष्ठित संस्था का मानद सदस्य बनने का उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने खेल क्लबों में से एक एमसीसी की स्थापना 1838 में हुई थी। यह खेल के प्रमुख स्थानों में से एक मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) के प्रबंधन और विकास के लिए जिम्मेदार है। एमसीसी ने एक्स पर पोस्ट किया, एक आइकन को सम्मानित किया गया। एमसीसी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि सचिन ने खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान को स्वीकार करते हुए मानद क्रिकेट सदस्यता स्वीकार कर ली है। सचिन एमसीजी में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उनके नाम इस मैदान में पांच टेस्ट मैचों में 44.90 के औसत और 58.69 के स्ट्राइक रेट से 449 रन हैं।

संतोष ट्रॉफी: जम्मू-कश्मीर को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा केरल

एजेंसी । हैदराबाद

नसीब रहमान के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत केरल ने शुक्रवार को डेक्कन एरिना में जम्मू-कश्मीर को 1-0 से हराकर संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। रहमान ने 73वें मिनट में गोल किया, जो टूर्नामेंट में उनका सातवां गोल था, और अब वे तमिलनाडु के लिजो के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। सेमीफाइनल में, केरल की टीम 29 दिसंबर को मणिपुर से भिड़ेगी। इस सीजन के संतोष ट्रॉफी में केरल एक मजबूत टीम के रूप में सामने आई है, जिसने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मंच अजेय रहते हुए जीत दर्ज की। केरल ने अब तक टूर्नामेंट में 29 गोल किए हैं और केवल चार गोल खाए हैं।

टीम इंडिया पर फॉलोऑन का खतरा

- स्मिथ के शतक और बोलैंड के झटकों से भारत बैकफुट पर
- पांच मिनट और छह रन के भीतर मेहमान टीम ने अपने तीन विकेट गंवा दिए

एजेंसी । मेलबर्न

स्टीव स्मिथ के शतकीय प्रहार के बाद स्थानीय खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड ने चौथे टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को अंतिम सत्र में लगातार दो ओवर में दो झटके देकर टीम इंडिया को बैकफुट पर धकेल दिया। भारतीय टीम ने पांच मिनट और छह रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। शानदार बल्लेबाजी कर रहे यशस्वी (82) विराट कोहली के साथ गफलत का शिकार हो गए तो कोहली (36) फिर बड़ी पारी नहीं खेल पाए। रात्रि प्रहरी को बोलैंड ने खाता भी नहीं खोलने दिया। ऑस्ट्रेलिया के 474 रन के जवाब में भारतीय टीम 164 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही है। वह कंगारुओं से अभी 310 रन पीछे हैं। ऐसे में भारत पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। उसे फॉलोऑन टालने के लिए 275 रन बनाने होंगे यानी अभी 111 रन चाहिए जबकि उसके पांच विकेट शेष हैं। अब दारोमदार ऋषभ पंत (6 रन नाबाद) और रवींद्र जडेजा (4 रन नाबाद) पर होगा। ब्रिस्बेन में जडेजा के साथ नितिश और बुमराह ने टीम को फॉलोऑन से बचाया था। अब देखना है कि टीम एक बार फिर यह करिश्मा कर पाती है या नहीं।

यशस्वी-कोहली की साझेदारी

यशस्वी ने आउट होने से पहले मैदान के चारों ओर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के खिलाफ बिना परेशानी के रन बनाए। उन्होंने कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी निभाई। यशस्वी शॉट खेलते ही रन चुराने के लिए भागे लेकिन वहां रन कोई गुंजाइश नहीं थी। कमिंस के थ्रो पर विकेटकीपर कैरी ने गिल्लियां बिखेर कर उन्हे पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद कोहली भी अपनी पुरानी गलती दोहरा कर वापस आए गए। वह एक बार फिर बाहर जाती गेंद पर खुद को रोक नहीं पाए और अपना बल्ला अड़ा दिया। बोलैंड की गेंद पर वह विकेटकीपर कैरी के कैच दे बैठे।

स्मिथ का 34वां शतक

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत छह विकेट पर 311 रन से करते विशाल स्कोर बनाया। स्मिथ (140) ने करियर का 34वां शतक लगाया। उन्होंने कप्तान कमिंस (49) के साथ सातवें विकेट के लिए 112 और मिचेल स्टार्क (15) के साथ आठवें विकेट के लिए 44 रन जोड़ कर दिन के पहले सत्र में भारतीय गेंदबाजों पर दबदबा बनाया। स्मिथ ने दो दिन के दौरान विपरीत शैली में बल्लेबाजी की। मैच के पहले दिन वह काफी सतर्कता से बल्लेबाजी कर रहे थे और रन बनाने के लिए कमजोर गेंदों का इंतजार कर रहे थे।

सबसे कम पारियों में 34 शतक जड़ने वाले चार खिलाड़ी

खिलाड़ी	टीम	पारियां
सचिन	भारत	192
पोंटिंग	ऑस्ट्रेलिया	193
स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	201
गावस्कर	भारत	206

वैल्यू एडीशन

स्मिथ ने सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा

10वें शतक के साथ स्मिथ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में सर्वाधिक सैकड़े लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने दिग्गज सचिन और कोहली नौ-नौ शतक को पीछे छोड़ा।

- 11 वें सैकड़े से स्मिथ इंग्लैंड के जो रूट (10) को पछाड़कर टीम इंडिया के खिलाफ सर्वाधिक शतकीय पारियां खेलने वाले खिलाड़ी भी बन गए।
- 7वां घरेलू शतक घरेलू सरजमीं पर लगाकर भारत के खिलाफ सर्वाधिक शतक लगाने के रिकी पोंटिंग की बराबरी की। डॉन ब्रैडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ घर में आठ शतक जड़े हैं।

बुमराह ने लुटाए रिकॉर्ड 99 रन

बुमराह ने पहली पारी में 99 रन दिए, जो एक पारी में उनके सर्वाधिक रन है। इससे पहले उन्होंने 2020 में वेलिंगटन न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट की पहली पारी में 88 रन दिए थे। उन्होंने अभी तक 84 पारियों में कभी भी 100 रन नहीं लुटाए हैं। माइक हेंड्रिक ने 54 टेस्ट पारियों में कभी भी 100 रन नहीं दिए थे।

वॉर्न के बाद जसप्रीत

जसप्रीत ने इस सीरीज के सभी मैचों की पहली पारियों में चार या उससे अधिक विकेट लिए हैं। वह पिछले 19 साल में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज हैं। उनसे पहले 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज में शेन वॉर्न ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

चंदू के बाद रोहित

रोहित ने इस सत्र में 11.07 की औसत से रन बनाए हैं। यह शीर्ष-छह भारतीय बल्लेबाजों (कम से कम 10 पारियां खेलने के बाद) में से किसी का एक सत्र में दूसरा सबसे कम औसत है। इससे पहले 1947-48 में चंदू सरवटे ने 10 की औसत से रन बनाए थे।

रोहित फिर फ्लॉप

पिछले दो मैचों में छठे क्रम पर उतरे भारतीय कप्तान रोहित (3) ओपनिंग में भी फ्लॉप रहे। वह पारी के दूसरे ओवर में ही कमिंस के खिलाफ आधे मन से पुल करने की कोशिश में मिडऑन पर खड़े बोलैंड को कैच थमा बैठे। वह चार पारियों में 5.50 की औसत से सिर्फ 22 रन बना पाए हैं। शानदार लय में चल रहे राहुल (24) क्रीज पर मुश्किल समय बिताने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान की शानदार गेंद पर बोल्ड हो गए। गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बाहर की तरफ निकली और ऑफ स्टंप के ऊपर गिल्लियों से टकरा गई।

उल्टा पड़ा दांव

तापमान में गिरावट और हवा में ठंडक के बावजूद भारतीय गेंदबाज परिस्थितियों का फायदा उठाने में विफल रहे। खराब लाइन और लेंथ ने कमिंस को क्रीज पर समय बिताने का मौका दिया और उन्होंने अपनी पारी में सात चौके लगाए। कप्तान रोहित और कोच गौतम का इस मैच में गिल को बाहर कर दो स्पिनरों को खिलाने का दांव उल्टा पड़ता दिख रहा है। जड़ेजा (78/3) और सुंदर (49/1) प्रभावी नहीं दिखे। सिराज के खिलाफ स्मिथ का हुक इतना शानदार था कि गेंदबाज हक्का-बक्का रह गया। सिराज ने हालांकि लय हासिल कर चुके इस बल्लेबाज के साथ छींटाकशी नहीं की। ऑस्ट्रेलियाई समर्थकों पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा।

बेटियों ने वेस्टइंडीज का क्लीन स्वीप किया

एजेंसी । वडोदरा

ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (31/6) के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने शुक्रवार को तीसरे और अंतिम वनडे में वेस्टइंडीज को 130 गेंद रहते पांच विकेट से पराजित किया। भारतीय टीम ने सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप की। दीप्ति ने गेंद के बाद बल्ले से भी नाबाद 39 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दीप्ति और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर (29/4) की बेहतरीन गेंदबाजी से भारत ने वेस्टइंडीज को 38.5 ओवर में 162 रन पर समेट दिया।

नंबर गेम

- 12वीं बार भारतीय टीम ने किसी प्रतिद्वंद्वी का तीन या अधिक मैचों में सफाया कर इंग्लैंड का रिकॉर्ड बराबर किया
- 3 बार पांच विकेट या अधिक विकेट वनडे में लेने वालीं दीप्ति पहली भारतीय महिला गेंदबाज बनीं
- 24 विकेट दीप्ति ने वनडे में चटकाए जो इस सत्र में किसी भी गेंदबाज के सर्वाधिक विकेट हैं

दीप्ति-जेमिका की साझेदारी

फिर लक्ष्य शीर्ष क्रम के चरमराने के बावजूद 28.2 ओवर में पांच विकेट पर 167 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारत ने 73 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे। दीप्ति ने जेमिमा रोड्रिग्स (29) के साथ पांचवें विकेट के लिए 56 और रिचा घोष (23) के साथ छठे विकेट के लिए अटूट 38 रन जोड़े। पिछले मैच की शतकवीर हरलीन देयोल (1) और मंधाना (4) के आउट होने के बाद भारत का स्कोर दो विकेट पर 23 रन था। कप्तान हरमनप्रीत ने एफी फ्लेचर की गेंद पर आउट होने से पहले 32 रन की पारी खेली। प्रतिका ने 18 रन का योगदान दिया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के सम्मान में भारतीय खिलाड़ी बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान में उतरीं।

रेणुका का कहर बरपाता स्पैल

भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका ने कहर बरपाते प्रारंभिक स्पैल से वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी जिसके बाद दीप्ति ने मेहमान टीम को अपनी फिरकी में फंसाया। ठाकुर ने सटीक लाइन और लैंग्थ के साथ गेंदबाजी करके शीर्षक्रम को चलता किया। नौ रन पर विंडीज के तीन बल्लेबाज पवेलियन में थे। शिनेले हेनरी (61) और शेमाइन कैंपबेल (46) ने चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी कर स्कोर 100 तक पहुंचाया।

पहली बार दो भारतीय गेंदबाजों ने सभी दस विकेट झटके

दीप्ति के अलावा पेसर रेणुका ने चार विकेट चटकाए। पहली बार दो भारतीय गेंदबाजों ने एक मैच में सभी दस विकेट झटके। वहीं यह वनडे में कुल तीसरा मौका है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की शबनम इस्लाम और एस डेनिएल ने 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ और पाक की खुर्शीद जबीन व सजीदा शाह ने जापान के खिलाफ 2003 में ऐसा किया था। यही नहीं दीप्ति वनडे में दो बार छह विकेट लेने वाली दक्षिण अफ्रीका की सुने लुस के बाद दूसरी गेंदबाज हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी हैदराबाद के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी

एजेंसी । हैदराबाद

ईस्ट बंगाल एफसी (रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड) शनिवार को जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के एक महत्वपूर्ण मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी। इस मैच में ईस्ट बंगाल का लक्ष्य अपनी हाल की जीत की लय को बरकरार रखते हुए मेजबान टीम के खिलाफ दबदबा बनाए रखना होगा।

ईस्ट बंगाल की मजबूत स्थिति

ईस्ट बंगाल एफसी ने सीजन 2023-24 में हैदराबाद एफसी के खिलाफ पिछले दो आईएसएल मैचों में जीत हासिल की है, और उसने लीग डबल पूरा किया है। इस समय, ईस्ट बंगाल एफसी 12 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में 11वें स्थान पर है, जिसमें चार जीत, एक ड्रा और सात हार शामिल हैं। वहीं, हैदराबाद एफसी लगातार पांच मैचों में हार का सामना कर रही है।

सिडनी टेस्ट हो सकता है रोहित का आखिरी

एजेंसी । मेलबर्न

एक बार फिर रोहित शर्मा सस्ते में आउट हुए। उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गईं जो लाजमी भी हैं। अब सवाल उठने लगे हैं कि वह टेस्ट से विदा कब लेंगे। ऐसी अटकलें हैं कि अगर भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाता है तो सिडनी उनके करियर का आखिरी टेस्ट होगा। लेकिन क्या रोहित टीम के लिए सिडनी टेस्ट से खुद को बाहर रखकर फॉर्म में चल रहे राहुल को यशस्वी के साथ पारी का आगाज करने देंगे। राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर मेलबर्न में है। हो सकता है कि दोनों की भविष्य को लेकर बात भी हुई हो क्योंकि भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। एक तो वह फॉर्म में नहीं हैं और स्थिर लग रही प्रारंभिक जोड़ी में बदलाव करके टीम का संतुलन भी बिगड़ गया है।

जल्द लेना होगा फैसला

रोहित और कोहली दोनों ही खराब फॉर्म में हैं लेकिन अंतर इतना है कि क्रीज पर दोनों कैसे दिखते हैं। कोहली को देखकर अभी भी लगता है कि वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेंगे और पर्थ में उन्होंने शतक जमाया भी। एमसीजी पर भी दूसरे दिन वह आत्मविश्वास से भरे दिख रहे थे। दूसरी ओर रोहित आसानी से विकेट गंवाते आए हैं। यहां बहुत ही खराब शॉट खेलकर वह पवेलियन लौटे। बतौर कप्तान भी अभी तक इस सीरीज में उन्होंने बहुत प्रभावित नहीं किया है। लिहाजा कप्तान को जल्दी ही फैसला लेना होगा। शायद उनकी टीम इसका इंतजार कर रही है ।

सूरज बड़जात्या की फिल्म में नजर आएंगी सारा अली खान

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्माता और निर्देशक सूरज बड़जात्या अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं, जिसमें दिग्गज अभिनेता आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह बड़जात्या और आयुष्मान के बीच पहला सहयोग होगा। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब ताजा खबर यह है कि बड़जात्या और आयुष्मान की इस फिल्म में मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाने के लिए निर्माताओं ने जानी-मानी अभिनेत्री सारा अली खान से संपर्क किया है।

तृप्ति डिमरी के नाम पर भी हो रहा विचार

एक रिपोर्ट के मुताबिक, बड़जात्या की अगली फिल्म में सारा नजर आ सकती हैं। उन्होंने फिल्म में मुख्य अभिनेत्री की भूमिका के लिए सारा से संपर्क किया है। इसके अलावा निर्माता अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के नाम पर भी संपर्क कर रहे हैं। अगर बड़जात्या की फिल्म में आयुष्मान की जोड़ी सारा के साथ बनती है तो यह दोनों के बीच दूसरा सहयोग होगा। दोनों धर्मा प्रोडक्शंस की एक फिल्म पर काम कर रहे हैं।

आयुष्मान अगले साल शुरू करेंगे शूटिंग

बड़जात्या ने अब तक एक से बढ़कर एक कई पारिवारिक फिल्मों का निर्देशन किया है। 'हम आपके हैं कौन!', 'हम साथ साथ हैं', 'एक विवाह... ऐसा भी', 'विवाह' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी फिल्मों के बाद प्रशंसक निर्देशक की अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू हो जाएगी और इसका आधिकारिक ऐलान जल्द किया जाएगा।

केके मेनन ने फिल्मी सितारों पर साधा निशाना

केके मेनन का नाम बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार है। वह कई फिल्मों, टीवी शो और वेब सीरीज में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। केके को भले ही स्टार का दर्जा नहीं मिला, लेकिन उनके अभिनय के दीवानों की कमी नहीं है। हालांकि, खुद मेनन को भी कभी इस बात का मलाल नहीं हुआ। उन्होंने हाल ही में कहा कि वह एक बढ़िया अभिनेता बने रहना चाहते हैं। उन्हें स्टार बनने का कोई लालच नहीं है।

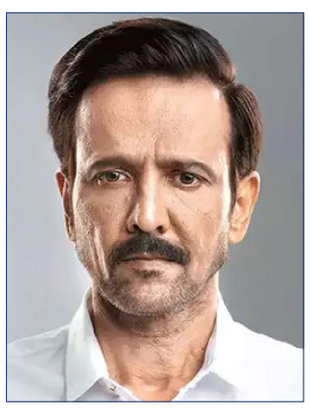

मैं जिद्दी रहा, तभी टिका रहा- केके मेनन

मेनन बोले, 'मैंने हमेशा दमदार और दिलचस्प किरदार निभाए हैं। कभी नहीं लगा कि अच्छे किरदारों की कमी है। मनोज बाजपेयी और मैं जैसे लोग अभिनेता के रूप में काफी जिद्दी हैं। हमने अपना काम जारी रखा, जो लोगों को दिख रहा है। हम टिके रहे। कई लोग ऐसे मिलते हैं, जो पूछते हैं कि क्या एक अभिनेता के रूप में मुझे वो मिला, जो मिलना चाहिए था तो मैं कहता हूं भाई तो तुम दे दो ना।'

'क्रिकेटर खेल ही सकता है, स्टेडियम नहीं बना सकता'

मेनन ने आगे कहा, 'मैं अपनी कला के प्रति सच्चा रहा हूं। मैं इस पर बहस नहीं करना चाहता कि मैंने फिल्मी दुनिया या OTT के लिए क्या किया या कितना योगदान दिया। एक क्रिकेटर केवल खेल ही खेल सकता है। वह स्टेडियम नहीं बना सकता। इंडस्ट्री में 30 साल बिताने के बाद अगर मैं किसी ब्लॉकबस्टर फिल्म या मसाला एंटरटेनर का हिस्सा नहीं हूं तो मैं मुझे इसका कोई मलाल नहीं। इससे मैं खराब एक्टर नहीं कहलाने वाला।'

अल्लू अर्जुन की अंतरिम जमानत बरकरार रहेगी

हैदराबाद के संध्या थिएटर में अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि इस हादसे में उसका बच्चा घायल हो गया। मामले में अल्लू को 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। बाद में तेलंगाना हाई कोर्ट ने अल्लू को जमानत दे दी थी। भगदड़ मामले में अब अल्लू ने राहत की सांस ली है।

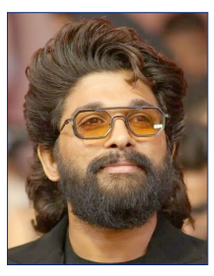

जानिए क्या है मामला?

खबर आ रही है कि अल्लू को मिली अंतरिम जमानत बरकरार रहेगी। बता दें कि अल्लू अपनी फिल्म 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान 4 दिसंबर को संध्या थिएटर पहुंचे थे, जहां उन्हें प्रशंसक बेकाबू हो गए और इसके चलते फिल्म देखने आई एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद पुलिस ने अल्लू और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिसके बाद 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें थिएटर मालिक भी शामिल था। इस मामले में अल्लू गिरफ्तार हो चुके हैं। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। बाद में तेलंगाना हाई कोर्ट ने अल्लू को जमानत दे दी थी। अब उनकी अंतरिम जमानत बरकरार रहेगी। हाल ही में भगदड़ मामले में हैदराबाद पुलिस ने अल्लू से करीब 3 घंटे तक पूछताछ की थी, वहीं इस मामले को सुलझाने के लिए बीते दिन अल्लू समेत तेलुगू इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी।

न्यूज़ ब्रीफ

क्वालिटी पर खरी नहीं उतरीं 111 दवाएं

नई दिल्ली। देश भर में मानक से कम गुणवत्ता वाली दवाओं के खिलाफ जारी अभियान के तहत नवंबर में 111 दवाओं की गुणवत्ता कम पाई गई। इसके अलावा जांच में दो दवाएं नकली पाई गई। नकली दवाओं के सैंपल में एक गाजियाबाद और दूसरा बिहार से मिला है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कम गुणवत्ता वाली और नकली दवाओं के मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार नवंबर में सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) के लेबोटरी में जांच के दौरान 41 दवाओं के दवाओं के सैंपल मानक से कम गुणवत्ता के मिले। वहीं राज्यों में की गई जांच में 70 दवाओं के सैंपल मानक पर खरे नहीं उतरे। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन दवाओं के सैंपल खास बैच के हैं, जिन्हें दुकानों, वितरकों से लेकर जांच की गई है। इसका मतलब यह नहीं है कि बाजार में मौजूद इन दवाओं की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं हो। गाजियाबाद और बिहार से जिन दो दवाओं के सैंपल नकली पाए गए हैं, उन्हीं किसी अनजान कंपनी ने बड़ी कंपनी के नाम पर बनाया है।

कन्नड़ टीवी अभिनेता चरित बलप्पा गिरफ्तार

नई दिल्ली। कन्नड़ टेलीविजन अभिनेता चरित बलप्पा को एक अभिनेत्री की तरफ से दर्ज कराई गई शिकायत के बाद यौन उत्पीड़न, मारपीट और आपराधिक धमकी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामले में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि ये कथित घटना 1 नवंबर, 2023 और 13 दिसंबर, 2024 के बीच हुई। तेलुगु धारावाहिकों में भी काम कर चुके अभिनेता चरित बलप्पा को कन्नड़ धारावाहिक 'मुद्दुलक्ष्मी' में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। उके खिलाफ अपनी शिकायत में, तेलुगु और कन्नड़ दोनों धारावाहिकों में काम करने वाली अभिनेत्री ने कहा कि वह 2017 में उससे मिली थी, क्योंकि वह एक अभिनेता भी था। इसके बाद कन्नड़ टेलीविजन अभिनेता चरित बलप्पा को गिरफ्तार किया गया है। अभिनेत्री ने कहा कि, उस पर अपने अच्छे स्वभाव का फायदा उठाने का आरोप लगाते हुए उसने आरोप लगाया कि उसने उस पर प्यार करने का दबाव डाला और उसे शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया, मना करने पर उसे बदनाम करने की धमकी दी। अभिनेत्री ने आगे आरोप लगाया कि यह जानते हुए कि वह अकेली रहती है, वह एक बार अपने साथियों के साथ उसके घर में घुस आया, हंगामा मचाया और उसे परेशान किया।

अवैध रूप से रह रही बांग्लादेशी महिला को डिपोर्ट किया

नई दिल्ली। दक्षिणी पश्चिमी जिले की एंटी नारकोटिक्स टीम ने गुरुवार को एक बांग्लादेशी महिला को डीपोर्ट किया है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि वह पिछले छह साल से छिपकर अवैध रूप से भारत में रह रही थी। पहले वह मुंबई में रहती थी और बाद में दिल्ली आकर रहने लगी। महिला के बारे में जानकारी मिलते ही उसकी पहचान के बाद कार्रवाई करते हुए डीपोर्ट कर दिया गया। महिला की पहचान 28 वर्षीय सोनाली शेख के रूप में हुई है।

29 दिसंबर को दिल्ली चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे मोदी

देश के पहले सेमी हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर के तीसरे फेज का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 दिसंबर को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। इस दिन वे दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। 29 दिसंबर को होने वाली पहली रैली में वे रिठाला में एक नई मेट्रो लाइन की आधारशिला रखेंगे और देश के पहले सेमी हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर के तीसरे फेज का उद्घाटन करेंगे।

दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल प्रोजेक्ट का उद्घाटन

इस प्रोजेक्ट को दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल प्रोजेक्ट के नाम से भी जाना जाता है। इसके बाद, पीएम मोदी रोहिणी के जापानी पार्क में जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसमें भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। पार्टी की दिल्ली इकाई ने मंडल अध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे कम से कम दो बसों से लोगों को कार्यक्रम स्थल तक लाएं।

3 जनवरी को पीएम मोदी का दूसरा कार्यक्रम

इसके बाद, प्रधानमंत्री मोदी 3 जनवरी को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें दिल्ली से सहारनपुर तक बने नए हाईवे का उद्घाटन भी शामिल है। इसके अलावा, सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री दिल्ली की महिलाओं के लिए कुछ अहम घोषणाएं कर सकते हैं, जो चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

आमरण अनशन कर रहे किसान नेता डल्लेवाल की सेहत पर कोर्ट सख्त

पंजाब सरकार को सुनाई खरी-खरी

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि वह यह सुनिश्चित करे कि किसान नेता को चिकित्सा सहायता दी जाए। बता दें, डल्लेवाल आमरण अनशन पर हैं।

पंजाब सरकार को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट की अवकाश पीठ न्यायाधीश सूर्याकांत और सुधांशु धूलिया ने पंजाब सरकार को एक अवमानना याचिका पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के खिलाफ मेडिकल सहायता प्रदान करने के आदेश का पालन न करने पर अवमानना का आरोप लगाया गया था।

किसी की जान दांव पर : अदालत

पीठ ने कहा, 'अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति है, तो आपको इसे सख्ती से संभालना होगा। किसी की जान दांव पर है। इसे गंभीरता से लें। चिकित्सा सहायता दी जानी चाहिए और ऐसा प्रतीत होता है कि आप इसका पालन नहीं कर रहे हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को 28 दिसंबर तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। इसके साथ ही, पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी को सुनवाई के दौरान वर्चुअली उपस्थित रहने का आदेश दिया।

सोलर पैनलों की सही रिसाइक्लिंग नहीं करने पर NTG सख्त

केंद्र सरकार को नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने फोटोवोल्टिक (पीवी) सोलर पैनलों के गलत तरीके से निपटान और रिसाइक्लिंग पर केंद्र से जवाब मांगा है। बता दें, यह आदेश उत्तर प्रदेश के एक किसान द्वारा

दाखिल की गई पत्र याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें इस्तेमाल किए गए सोलर पैनलों के सही तरीके से निपटान की सुविधाओं की कमी की शिकायत की गई थी।

एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने 23 दिसंबर को कहा, 'याचिकाकर्ता का कहना है कि सोलर पैनल का उपयोग उनके गांव में कृषि क्षेत्रों में सिंचाई के लिए कुसुम योजना के तहत 2019 से किया जा रहा है और उन्होंने क्षतिग्रस्त सोलर पैनलों के जीवन चक्र प्रबंधन में अंतर को उजागर किया है।'

क्या बोली एनजीटी?

पीठ ने यह भी कहा कि याचिका के अनुसार, इन सोलर पैनलों की मरम्मत नहीं की जा सकती थी और इन्हें स्क्रैप के रूप में निपटाया जाना था, लेकिन सही निपटान संरचना की कमी के कारण इन पैनलों को दफनाया या लैंडफिल्स में भेजा जा रहा था, जो मिट्टी की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा था।

मोस्ट वांटेड आतंकी अब्दुल रहमान मक्की की मौत

मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था आतंकी मक्की

लाहौर के अस्पताल में हार्ट अटैक से हुई मक्की की मौत

एजेंसी । इस्लामाबाद

भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की की मौत हो गई है। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जमात-उद-दावा का उप प्रमुख मक्की पाकिस्तान में रह रहा था। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड मक्की की शुक्रवार को लाहौर में मौत हो गई। जमात-उद-दावा के

अनुसार मक्की पिछले काफी दिनों से बीमार चल रहा था और लाहौर के एक निजी अस्पताल में उसका उसका इलाज चल रहा था। शुक्रवार सुबह मक्की को दिल का दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई।

20 लाख डॉलर का था इनाम

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार आतंकी अब्दुल रहमान मक्की को जनाजे की नमाज के बाद शुक्रवार को शाम को 5:15 बजे दफनाया जाएगा। अब्दुल रहमान मक्की आतंकी संगठन जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद का करीबी रिश्तेदार और समूह का डेप्युटी लीडर था। मुंबई पर आतंकी हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र ने मक्की के ऊपर प्रतिबंध लगाते हुए उस पर 20 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम रखा था।

मक्की को घोषित किया था अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी

साल 2023 में संयुक्त राष्ट्र ने मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया था। इसके पहले साल 2020 में आतंकी फंडिंग मामले में पाकिस्तान की एंटी टेररिज्म कोर्ट ने मक्की को 6 महीने के लिए जेल में भेजा था। आतंकी फंडिंग मामले में सजा सुनाए जाने के बाद से ही जमात-उद-दावा का उप प्रमुख खुद को लो प्रोफाइल रखे हुए था और सार्वजनिक रूप से बहुत कम नजर आता था। पाकिस्तान मुत्तहिदा मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) ने एक बयान में कहा कि मक्की पाकिस्तान की विचारधारा का समर्थक था। मक्की ने मुंबई आतंकी हमलों के लिए आतंकियों को धन और संसाधन मुहैया कराए थे।

इंफाल ईस्ट में फिर बंदूक और बम से हमला, दो घायल

एजेंसी । इंफाल

पहाड़ी इलाकों से हथियारबंद लोगों ने शुक्रवार को मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले के दो गांवों में बंदूक और बम से हमला किया। हथियारबंद लोगों के साथ गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी समेत दो लोग घायल हो गए। ये हमले सनसाबी और थमनापोकपी गांवों में किए गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इंफाल पश्चिम में डॉक्टर के घर पर हथगोला फेंका

एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि अज्ञात लोगों ने इंफल पश्चिम जिले के चिंगमेइरोंग इलाके में एक डॉक्टर के घर एक हथगोला फेंका। ग्रेनेड के साथ 'केसीपी (पीडब्लूजी) की आखिरी चेतावनी लिखा एक नोट भी मिला है। पुलिस ने ग्रेनेड को मौके से हटा दिया। धमकी जबरन वसूली से संबंधित हो सकती है और मामले की जांच चल रही है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) कथित तौर पर इंफाल घाटी में जबरन वसूली में शामिल है।

जवाबी कार्रवाई में पुलिसकर्मी समेत दो घायल

उन्होंने बताया कि हमले के बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप दोनों गांवों में भीषण गोलीबारी हुई। पहाड़ी की चोटी से हथियारबंद लोगों ने सनसाबी गांव और आस-पास के इलाकों में सुबह करीब 10.45 बजे अंधाधुंध गोलीबारी और बम फेंकना शुरू कर दिया। इस पर सुरक्षाकर्मियों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। सनसाबी गांव में हुई गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी की पहचान 37 वर्षीय के हरिदास के रूप में हुई है। उसके बाएं कंधे पर गोली लगी है। उसे दोपहर करीब 3.30 बजे जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया। उसकी एक छोटी सर्जरी की जाएगी।

मुठभेड़ के दौरान एक अन्य 'ग्रामीण स्वयंसेवक के हाथ में मामूली चोट आई है। निजी अस्पताल में उसकी हालत खतरे से बाहर है। गांव के स्वयंसेवक पहाड़ी इलाकों से आए हथियारबंद लोगों के खिलाफ गोलीबारी में सुरक्षा बलों के साथ शामिल हुए थे। हथियारबंद लोगों और सुरक्षाकर्मियों के बीच गोलीबारी शुरू होने पर स्थानीय लोग इधर-उधर भागते देखे गए।

दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल पश्चिम जिले से प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा कि जबरन वसूली गतिविधियों में शामिल दो उग्रवादियों को गुरुवार को जिले के अवांग वानागई लमखई इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन और अन्य सामान जब्त किए गए हैं।

'हम खतरनाक युग में जी रहे हैं'

2024 रहा अब तक का सबसे गर्म साल

एजेंसी । नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम दुनिया भर में देखने को मिल रहे हैं। एक नई रिपोर्ट में भी इस ओर संकेत किया गया है, जिसमें बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया में 2024 में औसतन 41 दिन और भीषण गर्मी पड़ी। यूरोपीय जलवायु एजेंसी कोपरनिकस के हवाले से बताया गया कि 2024 अब तक के सबसे गर्म साल के रूप में समाप्त होने वाला है और

विशेषज्ञों ने चेताया

यह पहला वर्ष होगा, जब वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होगा।

'जीवाश्म ईंधन से दूर होना चाहिए'

उन्होंने कहा, 'हम अच्छी तरह जानते हैं कि हालात को और खराब होने से रोकने के लिए हमें क्या करना होगा - जीवाश्म ईंधन को जलाना बंद करना। 2025 के लिए शीर्ष संकल्प जीवाश्म ईंधन से दूर जाना होना चाहिए, जिससे दुनिया अधिक सुरक्षित और स्थिर स्थान बन जाएगी।'

बाढ़ का बढ़ता खतरा

रिपोर्ट से पता चला है कि सूडान, नाइजीरिया, नाइजर, कैमरून और चाड में बाढ़ की सबसे घातक घटना थी, जिसमें कम से कम 2,000 लोग मारे गए थे। अध्ययन में पाया गया कि यदि ग्लोबल वार्मिंग दो डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाती है, जो 2040 या 2050 के दशक की शुरुआत में हो सकती है, तो इन क्षेत्रों को हर साल इसी तरह की भारी वर्षा की घटनाओं का सामना करना पड़ सकता है। WWA के प्रमुख और इंपीरियल कॉलेज, लंदन में जलवायु विज्ञान के वरिष्ठ व्याख्याता फ्रेडरिक ओटो ने कहा, 'फॉसिल फ्यूल वार्मिंग के प्रभाव 2024 की तुलना में कभी भी स्पष्ट या अधिक विनाशकारी नहीं रहे हैं।

छोटे द्वीपीय देशों पर प्रभाव अधिक

जलवायु वैज्ञानिकों के दो समूहों - वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन (डब्ल्यूडब्ल्यूए) और क्लाइमेट सेंट्रल द्वारा जारी वार्षिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में 2024 में औसतन 41 दिन और खतरनाक गर्मी पड़ी। छोटे द्वीपीय विकासशील देशों पर इसका सबसे अधिक असर पड़ा, जहां लोगों को 130 से अधिक अतिरिक्त गर्म दिनों का सामना करना पड़ा।

वैज्ञानिकों ने 2024 में 219 चरम मौसम की घटनाओं की पहचान की और उनमें से 29 का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि जलवायु परिवर्तन के कारण 26 चरम मौसम की घटनाओं में कम से कम 3,700 लोगों की मृत्यु हुई और लाखों लोग विस्थापित हुए। रिपोर्ट में कहा गया है, 'इस वर्ष जलवायु परिवर्तन के कारण तीव्र चरम मौसम की घटनाओं में मारे गए लोगों की कुल संख्या सैकड़ों हजारों में होने की संभावना है।'

चर्च में दूसरे धर्म का नारा लगाने वाले वाले पर केस

एजेंसी । शिलांग

मेघालय पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ एक समुदाय के लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। उस पर पूर्वी खासी हिल्स जिले के चर्च में घुसकर 'जय श्री राम' के नारे लगाने का आरोप है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किया वीडियो

एक अधिकारी ने बताया कि शख्स मावलीनॉन्ग गांव के चर्च में जबरदस्ती घुसा। उसके बाद उसने जय श्री राम के नारे लगाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इससे धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंची। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह कदम शांति और सामाजिक सौहार्द को भंग करने के मकसद से उठाया गया प्रतीत होता है। हम किसी को भी धार्मिक और सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की अनुमति नहीं देंगे। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बैतरणी नदी के किनारे से मिलीं प्राचीन मूर्तियां

एजेंसी । भद्रक

ओडिशा के भद्रक जिले के बैतरणी नदी के किनारे शैव और बौद्ध देवी-देवताओं की प्राचीन मूर्तियां मिली हैं। इनका संबंध छठी या सातवीं सदी से जुड़ा माना जा रहा है। यह मूर्तियां इस सप्ताह की शुरुआत में जिले के भंडारीपोखरी ब्लॉक स्थित मनीनाथपुर गांव के पास मिलीं। एक शोधकर्ता ने बताया कि कुल 18 प्राचीन मूर्तियां मिली हैं, जिनमें शैव और बौद्ध देवता शामिल हैं। इन मूर्तियों में बारीकी से उकेरे गए 'अर्ध स्तूप' भी शामिल हैं। इसके अलावा छोटे मंदिर भी मिले। स्थानीय युवक बिबेकानंद सुबह सैर पर जा रहे थे। तभी एक मूर्ति पर नजर पड़ी और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कला और सांस्कृतिक धरोहर ट्रस्ट (आईएनटीएसीएच) के सदस्यों और युवा शोधकर्ता बिस्वांभर राउत को जानकारी दी। राउत ने क्षेत्र का निरीक्षण किया और वहां 18 प्राचीन मूर्तियों और छोटे मंदिरों की पहचान की।

दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू होने का रास्ता साफ

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से उस समझौते पर आगे बढ़ने के लिए कहा, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए केंद्र से पैसा आवंटित किया गया है। विभिन्न राज्यों को यह पैसे आवंटित किए गए थे, जिससे वे अपनी मूलभूत सेवाओं में बेहतरी कर सकें और लोगों का आयुष्मान योजना के तहत इलाज कर सकें।

दिल्ली वालों को जल्द ही आयुष्मान योजना को लेकर बड़ी खबर मिल सकती है। दिल्ली में आयुष्मान योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक के इलाज को हरी झंडी

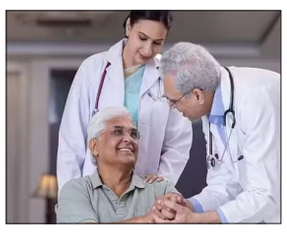

मिल सकती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय से उस करार पर आगे बढ़ने के लिए कहा है जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए केंद्र से धन आवंटित किया गया है। विभिन्न राज्यों को यह धन आवंटित किए गए थे जिससे वे अपनी मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरी कर सकें और लोगों का आयुष्मान योजना के अंतर्गत इलाज कर सकें।

लेकिन चूंकि दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू नहीं है, और इस योजना के अंतर्गत धन लेने से एक तरह से दिल्ली सरकार को आयुष्मान योजना के अंतर्गत लोगों को इलाज की अनुमति देनी पड़ सकती थी, माना जाता है कि इससे बचने के लिए दिल्ली सरकार अब तक इस योजना पर आगे बढ़ने से इनकार कर रही थी। लेकिन अदालत ने साफ कर दिया है कि अब दिल्ली सरकार को इस योजना पर आगे बढ़ना पड़ेगा। लोगों के स्वास्थ्य सेवा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।